दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

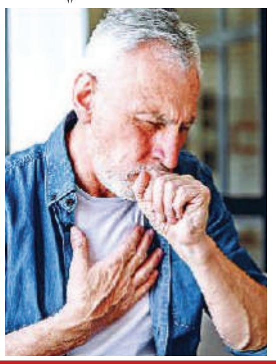

अमन लेखनी

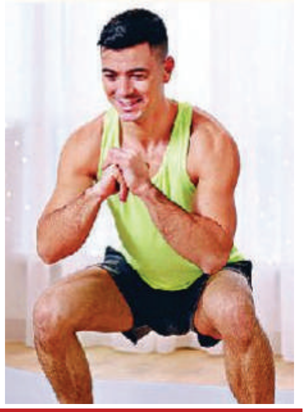

बदलते मौसम में जब बार बार.........

योगाभ्यास जिम में वर्कआउट........

वर्ष : 12 | अंक : 52 | लखनऊ, 13 फरवरी, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

फर्जी पुलिस स्टेशन से भारतीयों से धोखाधड़ी

फोनों पेन्ह। कंबोडिया में अधिकारियों ने धोखाधड़ी केंद्रों पर कार्रवाई के दौरान एक फर्जी पुलिस

स्टेशन का पर्दाफाश किया है, जिसमें गांधी और आंबेडकर की तस्वीर लगी हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, इसका इस्तेमाल भारतीयों को 'डिजिटल अरेस्ट' करने के लिए किया जा रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि हाल के हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी पर नकेल कसने के अभियान में लगभग 200 घोटाले के केंद्रों को बंद किया है। इस दौरान 173 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

चीन में सड़क धंसी, 20 मीटर चौड़ा गड्ढा बना

शंघाई। चीन के शंघाई में एक व्यस्त सड़क अचानक धंस गई

और 10 से 20 मीटर चौड़ा गड्ढा बन गया। घटना मिनहांग जिले के किक्सिन रोड के पास हुई। इससे पहले यहां पानी के रिसाव की सूचना दी गई थी। निर्माण एजेंसियों ने 11 फरवरी को सड़क के नीचे पानी के रिसाव की पहचान की थी। इसमें किसी की मौत नहीं हुई है, लेकिन आसपास की इमारतों में दरारें आ गईं और इलाके में दहशत फैल गई। कुछ ही सेकंड में सड़क की सतह भीतर की ओर धंस गई। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत सड़क बंद कर दी।

नील नदी में नौका पलटी, 15 की मौत

काहिरा। सूडान में नील नदी में एक यात्री नौका पलट जाने से कम से

कम 15 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। देश में जारी युद्ध पर नजर रखने वाले चिकित्सकों के समूह 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने बताया कि महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 27 लोगों को लेकर जा रही नौका उत्तरी नील नदी प्रांत में डूब गई। समूह ने कहा कि कम से कम 15 लोगों के शव बरामद किए गए हैं तथा स्थानीय निवासी एवं बचाव दल अब भी कम से कम छह अन्य लोगों की तलाश कर रहे थे।

वायुसेना की बढ़ेगी ताकत, नौसेना की समुद्री निगरानी भी होगी मजबूत

3.25 लाख करोड़ रु. के रक्षा सौदे को मंजूरी

114 राफेल, 6 पी-8आई विमान खरीदे जाएंगे

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के 17-20 फरवरी के भारत दौरे पर डील

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी देगी

देश की सशस्त्र सेनाओं की ताकत बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने गुरुवार एक ऐतिहासिक खरीद को मंजूरी दी है। डीएसी ने भारतीय वायुसेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमानों और नौसेना के लिए 6 पी-8आई पोसीडॉन समुद्री निगरानी विमानों की खरीद के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है।

इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी रक्षा खरीद योजनाओं में से एक माना जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई गई है। अब यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के पास भेजा जाएगा। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के 17-20 फरवरी के 3 दिवसीय भारत दौरे पर सौदा हो सकता है। प्रस्ताव को 16 जनवरी को रक्षा खरीद बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी थी।

कॉम्बैट मिसाइलों और हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स के प्रपोजल को भी मंजूरी

लड़ाकू विमान राफेल

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नए राफेल विमानों की खरीद से एयर डिफेंस और बॉर्डर एरिया में तैनाती की क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

की अध्यक्षता वाली कमेटी ने कॉम्बैट मिसाइलों और एयर-शिप बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स के प्रपोजल को भी मंजूरी दी है। इन सभी सौदों की कुल कीमत 3.60 लाख करोड़ रुपए है। डीएसी ने नौसेना के बेड़े में 6 नए पी-8आई एयरक्राफ्ट जोड़ने को मंजूरी दी है। भारतीय नौसेना पहले से ही 12 पी-8आई विमानों का संचालन कर रही है। इन नए विमानों के आने से हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी (एंटी सबमरीन) क्षमता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

मेक इन इंडिया' के तहत होगा सौदा

यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी। हाल ही में डसॉल्ट ने डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी 49% से बढ़ाकर 51% कर ली है। इस जॉइंट वेंचर में अनिल अंबानी की रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी भागीदार है। डसॉल्ट सभी 114 राफेल जेट में भारतीय हथियार, मिसाइल और गोला-बारूद को इंटीग्रेट करेगा। साथ ही सुरक्षित डेटा लिंक भी उपलब्ध कराएगा, जिससे विमानों को भारतीय रडार और सेंसर सिस्टम से जोड़ा जा सकेगा। कंपनी एयरफ्रेम निर्माण के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी देगी।

रक्षा बजट के लिए 7.8 लाख करोड़ मिले

केंद्रीय बजट 2026-27 में रक्षा मंत्रालय को 7.8 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो कुल बजट का 14.67% है। आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित 2.19 लाख करोड़ रुपए में से 1.85 लाख करोड़ रुपए पूंजीगत खरीद के लिए तय किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24% अधिक है।

वायुसेना को मिलेंगे 6 से 7 नए स्क्वाड्रन

इस सौदे का सबसे अहम पहलू वायुसेना की गिरती स्क्वाड्रन संख्या को संभालना है। 114 नए राफेल विमानों के शामिल होने से भारतीय वायुसेना को 6 से 7 नए स्क्वाड्रन मिलेंगे। वर्तमान में वायुसेना के पास लगभग 30 स्क्वाड्रन हैं, जबकि देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए 42 स्क्वाड्रन की आवश्यकता है। वायुसेना ने सितंबर 2025 में 114 अतिरिक्त राफेल जेट की मांग रक्षा मंत्रालय को भेजी थी। एयरफोर्स के पास पहले से 36 राफेल विमान है, जबकि नौसेना ने 26 मरीन वेरिएंट राफेल का ऑर्डर दिया है। अंबाला एयरबेस पर राफेल का ट्रेनिंग, मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल सेंटर पहले से चालू है। एयरफोर्स के पास तुरंत दो स्क्वाड्रन (36–38 विमान) शामिल करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेयर पार्ट्स और प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद है।

यूएन की रिपोर्ट में सनसनीखेज दावा

दिल्ली बम धमाके में आतंकी संगठन जैश शामिल, महिला विंग भी बनाई

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की आतंकवाद निगरानी टीम की ताजा रिपोर्ट ने इस हमले से पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के जुड़े होने का दावा किया है। रिपोर्ट में संगठन की नई साजिशों पर भी चिंता जताई गई है, जिसमें महिलाओं के लिए अलग विंग बनाना और आतंकी गतिविधियों में उनकी भागीदारी शामिल है। इससे संगठन का नेटवर्क बढ़ सकता है और सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचने में मदद मिल सकती है।

यूएन सुरक्षा परिषद को सौंपी गई रिपोर्ट में एनालिटिकल सपोर्ट एंड सैंक्शंस मॉनिटरिंग टीम ने बताया कि जैश-ए-मोहम्मद ने 9 नवंबर को पुरानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी।

'जमात उल-मुमिनात' नामक महिला विंग

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 8 अक्तूबर को जैश प्रमुख मसूद अजहर ने 'जमात उल-मुमिनात' नाम से महिलाओं के लिए एक अलग विंग बनाने की घोषणा की। यूएन टीम के अनुसार, इस विंग का मकसद आतंकी गतिविधियों में सहयोग करना है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह महिलाओं को शामिल करना संगठन की नई साजिश का हिस्सा हो सकता है, ताकि वह अपने नेटवर्क को बढ़ा सके और सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बच सके। बता दें कि जैश-ए-मोहम्मद को संयुक्त राष्ट्र ने अल-कायदा से जुड़ा आतंकी संगठन घोषित कर रखा है। इसकी स्थापना साल 2000 में हुई थी और यह खासकर जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य हिस्सों में कई बड़े हमलों के लिए जिम्मेदार रहा है। इसके सरगना मसूद अजहर पर यूएन ने यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति फ्रीज जैसी पाबंदियां लगा रखी हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सदस्य देशों के बीच जैश की मौजूदा स्थिति को लेकर अलग-अलग राय है। कुछ देश इसे अभी भी सक्रिय और खतरनाक मानते हैं, जबकि एक सदस्य देश ने इसे निष्क्रिय बताया।

मध्य और दक्षिण एशिया आतंकी खतरे में

यूएन की रिपोर्ट में मध्य और दक्षिण एशिया में बदलते आतंकी खतरे का भी जिक्र है। इसमें कहा गया है कि कई चरमपंथी संगठन क्षेत्रीय अस्थिरता और सीमापार नेटवर्क का फायदा उठा रहे हैं। लगातार दबाव के बावजूद जैश जैसे संगठन नए तरीके अपनाकर खुद को फिर से संगठित करने और बड़े हमले करने की क्षमता दिखा रहे हैं। इसके साथ ही अलग से, रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए एक अन्य हमले में शामिल तीन संदिग्धों को जुलाई में सुरक्षा बलों ने मार गिराया था।

बेलडांगा हिंसा मामला

36 आरोपियों को एनआईए कोर्ट नहीं ला सकी, नहीं मिली 'पुलिस' सुरक्षा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई हिंसा की जांच कर रही है। हालांकि एनआईए की टीम गुरुवार सुबह हिंसा मामले में गिरफ्तार किए गए 36 आरोपियों को विशेष एनआईए अदालत में पेश करने में विफल रही। यह दूसरी बार है जब एनआईए आरोपियों को अदालत में पेश करने में विफल रही है, और इसका कारण यह है कि मुर्शिदाबाद जिला पुलिस एक बार फिर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा प्रदान करने में असफल रही। इससे पहले, 5 फरवरी को, एनआईए की टीम आरोपी को अदालत में पेश करने में

मुर्शिदाबाद हिंसा फाइल फोटो

विफल रही थी, और उस समय, राज्य पुलिस इस उद्देश्य के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम नहीं थी, जो इस मामले में एक बाधा बन गई। पता चला है कि एनआईए ने मुर्शिदाबाद जिला पुलिस को एक अनुरोध दिया था, लेकिन पुलिस ने पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक परीक्षाओं का हवाला देते हुए उस अनुरोध को पूरा करने से इनकार कर दिया।

माल्या को बॉम्बे हाईकोर्ट की चेतावनी

भारत नहीं लौटे तो भगोड़ा होने के ठप्पे के खिलाफ सुनवाई नहीं होगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कारोबारी विजय माल्या को कड़ी चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा कि जब तक माल्या भारत वापस नहीं लौटते, तब तक अदालत उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं करेगी। इस याचिका में उन्होंने भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के प्रावधानों को चुनौती दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति खुद को न्यायिक प्रक्रिया से दूर रखे हुए है, उसे अदालत से राहत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश शचंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ ने कहा कि माल्या को पहले यह स्पष्ट करना होगा कि वह भारत

विजय माल्या बॉम्बे हाईकोर्ट

लौटेंगे या नहीं। कोर्ट ने कहा कि आपको (माल्या) वापस आना होगा, अगर आप वापस नहीं आ सकते तो हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। 2016 से ब्रिटेन में रह रहे माल्या ने उच्च न्यायालय में दो याचिकाएं दायर की हैं, एक में उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के आदेश को चुनौती दी गई है और दूसरी में 2018 के अधिनियम की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाया गया है।

'ताला' लगाकर महादेव को मना रहे

प्रयागराज। रविवार को देशभर में महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाएगा। अपनी इच्छाओं को पूरी करने के लिए लोग प्रयागराज के नागेश्वर नाथ महादेव मंदिर के बाहर ताला लगाते हैं और उस पर अपनी पहचान अंकित कर देते हैं। मान्यता है कि महादेव की कृपा से इच्छा पूरी होने के बाद लोग ताला खोल देते हैं।

आरोपः इजराइल ने गाजा में प्रतिबंधित रासायनिक बमों का किया था प्रयोग

3500 से ज्यादा लोग भाप बनकर गायब, कोई अता-पता नहीं

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

इजराइल पर गाजा में 'वैक्यूम बम' इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट 'द रेस्ट ऑफ द स्टोरी' के मुताबिक, ये बम पहले हवा में ईंधन जैसा एक बादल फैलाते हैं और फिर उसमें आग लगा देते हैं। इससे बहुत बड़ा आग का गोला बनता है और आसपास की हवा खिंचकर एक तरह का जीरो (वैक्यूम) पैदा हो जाता है। इन धमाकों से तापमान 3,500 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इन बमों में एल्यूमिनियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो कुछ ही सेकेंड में शरीर को जला देते हैं। मिलिट्री एक्सपर्ट्स और चश्मदीदों का भी कहना है कि इजराइल ने वहां ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया, जिन्हें 'वैक्यूम बम', 'थर्मल' या 'थर्मोबैरिक' बम कहा जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में मारे गए कई लोगों के शव तक नहीं मिले। गाजा की सिविल डिफेंस टीम ने 2,842 ऐसे फिलिस्तीनियों का रिकॉर्ड दर्ज किया है, जिनके बारे में कहा गया कि दफनाने के लिए उनका कोई हिस्सा तक नहीं बचा। वहीं 3,500 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।

बमों से तापमान 3,500 डिग्री तक जा पहुंचा

शवों को दफनाने के लिए कोई हिस्सा नहीं बचा

वैक्यूम बम को बम और रॉकेट के रूप में गिरा सकते हैं

वैक्यूम बम एक एडवांस हथियार है जो अपने प्रभाव से इमारतों को नष्ट करने और मानव शरीर को भाप बनाकर उड़ाने में सक्षम है। यह बम एरोसोल बम भी कहलाता है और जर्नल ऑफ मिलिट्री एंड वेटरन्स हेल्थ के अनुसार, ये स्प्रे वातावरण में चारों ओर फैल जाते हैं। खासकर शहरी इलाकों और दुश्मनों के बंकर के अंदर तक आसानी से घुस जाता है। इसे रॉकेट के रूप में लॉन्च किया जा सकता है या विमान से बम के रूप में गिराया जा सकता है। जब यह अपने टारगेट से टकराता है, तो पहला विस्फोटक चार्ज

कंटेनर को खोलता है और मिश्रण को बादल के रूप में बिखेरता है। इसके बाद बम में लगा इग्निशन सोर्स आग को पैदा करता है, जो बहुत तेजी से पूरे इलाके में फैलकर एक जबरदस्त वैक्यूम बनात है। इस कारण हुए विस्फोट की ताकत इतनी ज्यादा होती है कि घरों की छतें तक उड़ जाती हैं। बंकर बर्बाद हो जाते हैं और उसमें मौजूद लोगों के शरीर से चिथड़े उड़ जाते हैं। पास में मौजूद इंसान तो तुरंत भाप में बदल जाता है। दूर के लोगों पर भी इसका इतना प्रभाव पड़ता है कि आंतरिक अंगों में खून बहने लगता है।

व्हाइट हाउस में नेतन्याहू से मिले ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की बुधवार को व्हाइट हाउस में मुलाकात हुई। ये बैठक करीब 2 घंटे तक बंद कमरे में

चली। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मैंने नेतन्याहू से साफ कहा है कि अमेरिका को ईरान के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत जारी रखनी चाहिए। उन्होंने लिखा कि बैठक बहुत अच्छी रही, लेकिन कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ। ईरान के साथ अच्छा समझौता हो सकता है तो यह बेहतर होगा, लेकिन नहीं हुआ तो आगे क्या करना है, यह देखा जाएगा। ट्रंप ने यह भी याद दिलाया कि पिछली बार ईरान ने समझौता नहीं किया था, जिसके बाद अमेरिका ने उस पर सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन मिडनाइड हैमर' किया था। उन्होंने नेतन्याहू से गाजा की स्थिति और क्षेत्र में शांति प्रयासो पर भी बात की है। नेतन्याहू ने ट्रंप से मुलाकात से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से भी मुलाकात की।

अमेरिकी प्रशासन का बड़ा फैसला

भारतीय छात्रा जान्हवी कंडुला के परिवार को मिलेंगे 262 करोड़ रु.

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

अमेरिका के सिएटल शहर में भारतीय छात्रा जान्हवी कंडुला की दर्दनाक मौत के मामले में प्रशासन ने

एक बड़ा फैसला लिया है। सिएटल शहर प्रशासन जाह्नवी के परिवार को मुआवजे के तौर पर 2.9 करोड़ डॉलर (करीब 262 करोड़ रुपए) देने पर सहमत हो गया है। 23 वर्षीय जान्हवी की पिछले साल एक तेज रफ्तार पुलिस गश्ती वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई थी, जिसके बाद भारत समेत पूरी दुनिया में भारी आक्रोश देखा गया था। यह हादसा 23 जनवरी 2023 को हुआ था। आंध्र प्रदेश की रहने वाली जाह्नवी कंडुला नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी (सिएटल कैंपस) में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं। वह सड़क पार कर रही थीं जब पुलिस अधिकारी केविन डेव ने उन्हें टक्कर मार दी। रिपोर्ट के मुताबिक, जिस इलाके में गति सीमा 40 किमी प्रति घंटा थी, वहां केविन डेव अपनी गाड़ी 119 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चला रहे थे। बताया गया कि वह ड्रग ओवरडोज की एक कॉल पर जा रहे थे। सिएटल की सिटी अटॉर्नी एरिका इवांस ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि जान्हवी की मौत दिल दहलाने वाली थी।

वरिष्ठ भाजपा नेता विंध्यवासिनी कुमार के निधन पर भाजपा नेताओं ने व्यक्त किया गहरा शोक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद के सदस्य रहे विन्ध्यवासिनी कुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, विजय बहादुर पाठक, कान्ताकर्दम, संतोष सिंह, सलिल विश्नोई, सत्यपाल सिंह सैनी, नीलम सोनकर, कमलावती सिंह, बृजबहादुर, सुनीता दयाल, दिनेश कुमार शर्मा, मानवेन्द्र सिंह, पद्म सेन चौधरी, मोहित बेनीवाल, धर्मेन्द्र सिंह, देवेश कोरी, त्रयंबक त्रिपाठी, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, अमर पाल मौर्य, अनूप गुप्ता, प्रियंका सिंह रावत, संजय राय, सुभाष यदुवंश, राम प्रताप सिंह चौहान, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि, चन्द्रमोहन सिंह, मीना चौबे, अंजुला माहौर, विजय शिवहरे, शंकर लोधी, शकुन्तला चौहान, अनामिका चौधरी, पूनम बजाज, अर्चना मिश्रा, अमित वाल्मीकि, बंसत त्यागी, शिव भूषण सिंह, सुरेश पासी, अभिजात मिश्रा, डीपी भारती, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर, प्रदेश सहकोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, प्रदेश सह मुख्यालय प्रभारी चौधरी लक्ष्मण सिंह, अतुल अवस्थी तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा नेता राज कुमार सिंह चौहान ने भी विन्ध्यवासिनी कुमार जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

स्वच्छता कर्मियों को दिए व्यासायिक सुरक्षा से जुड़े जरूरी टिप्स

दो दिवसीय प्रशिक्षण में 100 स्वच्छता कर्मियों ने लिया भाग

पीएसआई इंडिया, एचसीएल फाउंडेशन, जलकल व नगर निगम के सहयोग से आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नगर निगम के त्रिलोक नाथ हॉल में स्वच्छता कर्मियों को व्यावसायिक सुरक्षा पर दो दिवसीय (11-12 फरवरी) प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जलकल विभाग व लखनऊ नगर निगम के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित व्यावसायिक सुरक्षा पर प्रशिक्षण में 100 सफाई कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों, आधुनिक मशीनों के उपयोग, सेफ्टी इक्विपमेंट पहनने की अनिवार्यता और जोखिम वाली स्थिति में बचाव के तरीकों पर प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान यह सन्देश दिया गया कि किसी भी स्थिति में मैन्युअल सीवर एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित है क सभी कार्य प्रोटेक्टिव गियर, गैस मॉनिटरिंग उपकरण और वैज्ञानिक तरीकों से ही किये जाने चाहिए क प्रशिक्षण के दौरान स्वच्छता कर्मचारियों को आकस्मिक स्थिति में क्या करना चाहिए इस विषय पर भी जानकारी दी गयी क इमरजेंसी स्थिति में सीपीआर के बारे में भी सिखाया गया क प्रशिक्षण के दौरान स्वच्छता कर्मियों को मास्क, हेलमेट, ग्लव्स, गम बूट जैसी सेफ्टी इक्विपमेंट के इस्तेमाल करने के बारे में प्रेरित किया गया क इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में सीवर से जुड़े सभी कार्य सुरक्षित, व्यवस्थित और मशीन आधारित तरीकों से ही किये जाएं क प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविन्द कुमार राव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. के. श्रीवास्तव व उप नगर आयुक्त रश्मि भारती द्वारा किया गया क इस मौके पर अपर नगर आयुक्त ने कहा कि सफाई कर्मचारियों को जोखिम वाले सामान संभालने और छोटी जगहों पर काम करने में कितना जोखिम होता है, कई बार विषैली गैस भी सीवर लाइन में होती हैं, जो जानलेवा भी हो सकती हैं। उन्होंने सेफ्टी प्रोटोकॉल फॉलो करने और हर समय सावधानी बरतने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों के लिए इस आयोजन के लिए पीएसआई इंडिया के प्रयासों की सराहना की। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. के. श्रीवास्तव ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य हम सभी के लिए सबसे जरूरी है, लेकिन सफाई कर्मचारियों को अपने काम की वजह से कई तरह की बीमारियाँ होने का खतरा रहता है। इसलिए उन्होंने सफाई कर्मचारियों को नियमित हेल्थ स्क्रीनिंग करवाने की सलाह दी। पीएसआई इंडिया के जनरल मैनेजर दिनेश कुमार पांडे ने नगर निगम को पीएसआई इंडिया और एचसीएल फाउंडेशन को लखनऊ में स्वच्छ उदय प्रोजेक्ट के संचालन में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने का भरोसा दिया। ज्ञात हो कि पीएसआई इंडिया और एचसीएल फाउंडेशन नगर निगम के सहयोग से लखनऊ के 26 वार्डों में 'स्वच्छ उदय' कार्यक्रम चला रहे हैं। इसके तहत मोहल्लों में साफ-सफाई, पानी का सही रखरखाव और कूड़ा पृथक्करण पर समुदाय में लोगो को जागरूक किया जा रहा है, ताकि लोग बीमारियों से सुरक्षित रहें।

कार की टक्कर से घायल किसान की 12 दिन बाद मौत

अमन लेखनी समाचार

मृतक सुरेश फाइल – फोटो

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम माधौपुर निवासी सुरेश कुमार (45) की सड़क हादसे में घायल होने के 12 दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसार, बीते 31 जनवरी को सुरेश कुमार साइकिल से बदौरा तिराहे पर गए थे। वह एक दुकान के पास खड़े थे, तभी हरदोई की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया। हालत में सुधार न होने पर परिजनों ने उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा था। घटना के 12वें दिन गुरुवार दोपहर इलाज के दौरान सुरेश कुमार ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे पत्नी सुशीला, दो बेटे राकेश व रिंकू और बेटी रोशनी को छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मृतक के बेटे रिंकू की तहरीर पर वाहन संख्या के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कार को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सरोजनीनगर में गूंजा राष्ट्रगौरव: डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर 'बॉर्डर-2' का विशेष प्रदर्शन

500 से अधिक सैन्य परिवारों के साथ विधायक राजेश्वर सिंह ने देखी 'बॉर्डर-2' मनोज मुंतशिर ने बताया राष्ट्रप्रेम को उद्वेलित करने वाला प्रयास

सुप्रसिद्ध गीतकार मनोज मुंतशिर ने सहभागिता कर बाँधा समां

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की प्रेरणादायी पहल पर वीर सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण को समर्पित फिल्म 'बॉर्डर-2' का विशेष प्रदर्शन गुरुवार को फिनिक्स यूनाइटेड मॉल, कानपुर रोड, लखनऊ में भव्य रूप से आयोजित किया गया। यह आयोजन भारतीय सेना के वीर जवानों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का एक भावपूर्ण एवं प्रेरक माध्यम बना। कार्यक्रम में 500 से अधिक सैन्य परिवारों की गरिमामयी उपस्थिति रही। फिल्म प्रदर्शन से पूर्व सभी सैन्य परिवारों का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मान किया गया। सैनिकों और उनके परिजनों के साथ सामूहिक रूप से फिल्म का विशेष प्रदर्शन किया गया। आयोजन के दौरान नाश्ता एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था भी विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से की गई। पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहा। 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'जय हिन्द' के गगनभेदी नारों से सिनेमा हॉल देशप्रेम की ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। यह भव्य आयोजन सरोजनीनगर में राष्ट्रगौरव, एकता और सैनिक सम्मान की भावना को सशक्त करने वाला प्रेरणादायी क्षण सिद्ध हुआ।

सैनिकों के सम्मान में डॉ. राजेश्वर सिंह का भावपूर्ण संबोधन

अपने संबोधन में डॉ. राजेश्वर सिंह ने सभी सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों का स्वागत, वंदन और अभिनंदन किया तथा सुप्रसिद्ध गीतकार एवं लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की अखंडता, चेतना और गौरव को जागृत करने में सिनेमा की महत्वपूर्ण भूमिका है, और मनोज मुंतशिर जैसे रचनाकार इस भावना के सशक्त संवाहक हैं।

डॉ. सिंह ने सैनिकों के अद्वितीय

साहस और त्याग को नमन करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता और सुरक्षित वर्तमान हमारे वीर जवानों के बलिदान का परिणाम है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि हम सभी एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण हेतु संकल्पबद्ध हों, ताकि सीमा पर तैनात हमारे सैनिकों को देश की प्रगति पर गर्व का अनुभव हो। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि सैनिक विषम परिस्थितियों—कठोर सर्दी, तपती गर्मी और मूसलाधार वर्षा—में देश की रक्षा करते हैं, जबकि उनके परिवारजन धैर्य और गर्व के साथ उनकी प्रतीक्षा करते हैं। यह त्याग संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा है और हम सभी उनके ऋणी हैं।

मनोज मुंतशिर शुक्ला ने पहल को बताया राष्ट्रप्रेम का प्रेरक उदाहरण

सुप्रसिद्ध गीतकार, लेखक एवं कवि मनोज मुंतशिर शुक्ला ने डॉ. राजेश्वर सिंह की इस पहल की सराहना करते हुए इसे राष्ट्रप्रेम को उद्वेलित करने वाला प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि जब भी देशभक्ति और सैनिक सम्मान से जुड़ा कोई अवसर आता है, डॉ. राजेश्वर सिंह सदैव अग्रणी भूमिका में दिखाई देते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक एवं वीर परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि 1857 की क्रांति की इस पावन भूमि पर 'बॉर्डर-2' को मिल रहा स्नेह और सम्मान देशभक्ति की गहरी जड़ों का प्रमाण है। अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म बॉर्डर को उन्होंने अत्यंत भावुकता के साथ देखा था, और आज उसी गौरवशाली श्रृंखला से जुड़ना उनके लिए गर्व का विषय है। मनोज मुंतशिर ने वीर सैनिकों के बलिदान को नमन करते हुए कहा, "तिरंगे की ऊँचाई और आजादी की गरिमा, हमारे सैनिकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से ही संभव है – कुछ वीर कभी लौटते ही नहीं, पर उनका गौरव सदैव अमर रहता है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से वीर सैनिकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता की भावना बनाए रखने का आह्वान किया तथा सभी से एक स्वर में भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करने का आग्रह किया। इस गौरवपूर्ण आयोजन में कर्नल के. एस. एल. श्रीवास्तव, मेजर श्रीकांत मिश्रा, मेजर श्रुति शिववीर सिंह, कैप्टन एस. पी. सिंह, कैप्टन ए. पी. सिंह, कैप्टन रामकुमार चौहान, कैप्टन हृदयनंद दीक्षित, कैप्टन विष्णु देव गुप्ता, कैप्टन कृष्णदेव त्रिपाठी, कैप्टन आर. पी. मिश्रा, कैप्टन विनोद पाल सिंह, कैप्टन विनोद कुमार सिंह, कैप्टन आर. बी. सिंह, कैप्टन आज्ञा तिवारी, लेफ्टिनेंट जनार्दन, लेफ्टिनेंट राकेश सिंह, सूबेदार मेजर लक्ष्मण सिंह, सूबेदार मेजर द्वारिका सिंह, सूबेदार मेजर शिववीर सिंह, सूबेदार मेजर राजेंद्र शुक्ल, सूबेदार मेजर नवाब सिंह, सूबेदार नरेंद्र सिंह, सूबेदार नरेंद्र प्रताप सिंह, सूबेदार मनोज यादव, सूबेदार संतोष पांडेय, सूबेदार बी. एस. सी. सिंह, सूबेदार आर. पी. सिंह, वारंट ऑफिसर राधा रमण पांडेय और पूर्व सैनिक दीपक सिंह, आनंद जोशी, विनय कुमार सिंह, विपिन सिंह समेत 500 से अधिक की संख्या में सैनिकगण और टीम राजेश्वर के सदस्यों ने भाग लिया।

सपा महासचिव ने हीरालाल यादव को दी श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। गौरी स्थित हीरालाल यादव बालिका डिग्री कॉलेज में गुरुवार को प्रखर समाजवादी नेता स्व. हीरालाल यादव का 96वां जन्मदिवस एवं हीरालाल यादव ग्रुप ऑफ कॉलेजेज का 29वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों ने स्व. हीरालाल यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। मेधावी छात्र-छात्राओं को टैब, साइकिल, स्मार्ट वॉच, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यूपी सैनिक स्कूल व राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में चयनित छात्रों को भी विशेष सम्मान मिला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समारोह का समापन हुआ। प्राचार्या डॉ. अनामिका श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

पति से विवाद के बाद पत्नी ने ट्रेन से कटकर दी जान

रहीमाबाद क्षेत्र के जालामाऊ गांव की घटना, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के जालामाऊ गांव में बुधवार देर रात एक 48 वर्षीय महिला ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जालामाऊ निवासी राजेश कुमार यादव मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। उसके परिवार में पत्नी चंद्रावती (48), तीन बेटे—सौरभ, गौरव, वैभव तथा एक बेटी मनीषा हैं। पुलिस के मुताबिक राजेश को शराब पीने की लत है, जिस कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। बताया गया कि बुधवार देर रात राजेश शराब पीकर घर पहुंचा। नशे की हालत में उसे देखकर पत्नी चंद्रावती से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर चंद्रावती नाराज होकर बिना कुछ बताए घर से निकल गई। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने सूचना दी कि जालामाऊ के पास रेलवे लाइन पर एक महिला ट्रेन से कट गई है। सूचना मिलते ही राजेश अपने परिवार के साथ मौके पर पहुंचा, जहां उसने शव की पहचान चंद्रावती के रूप में की। सूचना पर रहीमाबाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला घरेलू विवाद के बाद आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार ने सड़क किनारे खड़े वाहनों को मारी टक्कर, मासूम की मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार अनियन्त्रित कार ने सड़क किनारे खड़ी बाइक में टक्कर मारने के बाद आगे खड़े कई लोगों को टक्कर मारने के साथ खाली खड़े ऑटो में ठोकर मार दी। इस भीषण हादसे में दो महिलाओं और दो बच्चों सहित करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घटना के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। बाद में सभी घायलों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां गंभीर रूप से घायल मासूम बच्चे को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रेफर कर दिया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। बताते हैं कि बंथरा के सहिजनपुर

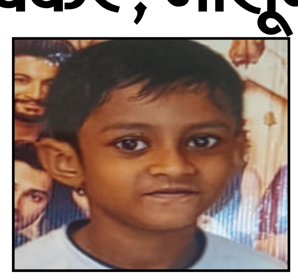

निवासी प्रमोद कुमार गुरुवार देरशाम करीब 7 बजे बंथरा में कानपुर रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास सड़क किनारे अपनी बाइक खड़ी कर दुकान पर सामान लेने चले गए। तभी लखनऊ से कानपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में ठोकर मार दी। घटना के बाद अनियंत्रित कार आगे खड़े बंथरा निवासी पापे उर्फ पउवा के बेटे अरमान (12) के अलावा बंथरा में किराए पर रहने वाले उन्नाव के अटवा खुर्द निवासी संजय पटेल की पत्नी साधना पटेल (35), उनकी मां मीना देवी (60) और बेटे दीक्षांत (6) को ठोकर मारने के साथ आगे अपना ई-रिक्शा लेकर खड़े उन्नाव के ही सोहरामऊ थाना अंतर्गत पथरहा निवासी चालक अवध बिहारी (42) को ठोकर मार दी। इतना ही नहीं अनियन्त्रित कार ने आगे खाली खड़ी एक ऑटो में जोरदार ठोकर मारी और उसके बाद कर चालक वाहन सहित फरार हो गया। इस हादसे में सभी लोग घायल हो गए। राहगीरों की मदद से आनन फानन सभी घायलों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। वहीं दीक्षांत की हालत अधिक गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया। लेकिन सरोजनी नगर सीएचसी पहुंचते ही चिकित्सकों ने दीक्षांत को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और सीसीटीवी के सहारे कार व उसके चालक का पता लगाने में जुटी है।

कल्ली पश्चिम में लगा निःशुल्क आयुर्वेद शिविर, जटिल रोगों की हुई जांच

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कल्ली पश्चिम स्थित काली माता मंदिर के निकट गुरुवार को निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और परामर्श लिया। शिविर का आयोजन मनोहर सेवा संस्थान, राजाजीपुरम व डॉ. त्रिपाठी आयुर्वेद निदानशाला एवं पंचकर्म सेंटर की ओर से किया गया। सुबह से ही शिविर स्थल पर मरीजों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। अर्थराइटिस, गठिया, सियाटिका, कमर दर्द, स्लिप डिस्क, घुटनों के दर्द, त्वचा रोग, दमा, पुरानी खांसी, लीवर संबंधी समस्याएं, बवासीर, भगंदर, थायराइड, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, माइग्रेन, मोटापा, पथरी और किडनी रोग समेत विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों ने जांच कराई। महिलाओं से जुड़े रोगों जैसे पीसीओएस, रक्त व श्वेत प्रदर, बांझपन और हार्मोनल विकारों की भी जांच की गई। शिविर में डॉ. शिव शंकर त्रिपाठी ह्यराजवैद्यह्न, डॉ. दीपांजली त्रिपाठी और डॉ. पातंजलि द्विवेदी ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां दीं। इस दौरान हड्डियों की बीएमडी जांच और शुगर की जांच भी निःशुल्क की गई। चिकित्सकों ने लोगों को आयुर्वेदिक पद्धति के अनुसार संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या अपनाने की सलाह दी। शिविर के आयोजन में वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज द्विवेदी, राजू दीक्षित, सुशील मिश्रा, अनिल द्विवेदी, विनीत, राहुल शर्मा, सत्य नारायण रावत, अभिलाष श्रीवास्तव, चंद्रभान सिंह, राम खेलावन और एडवोकेट अतुल अवस्थी सहित अन्य सहयोगियों की विशेष भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि जनहित में भविष्य में भी इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में मजदूर की मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में एक मजदूर की बुधवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सरोजनी नगर के अमौसी गांव में रहने वाले मजदूर प्रकाश राजपूत का बेटा अमित (26) बंथरा के लतीफ नगर में रहने वाली गुंजन के साथ लिविंग रिलेशनशिप में पिछले 6 वर्षों से सरोजनी नगर के गौरी गांव में किराए पर रहकर मजदूरी करता था। अमित के 5 वर्ष की बेटी इशिका और 3 वर्षीय बेटा ईशान है। गुंजन अपने पहले पति को छोड़कर अमित के साथ रहती थी। अमित के पिता प्रकाश का कहना है कि बुधवार दोपहर करीब 1 बजे गुंजन उसके घर अमौसी गई, वहां करीब घंटे भर रूकने के बाद स्कूल से बच्चों को लेने की बात कह कर वापस चली गई। इसके बाद करीब 3 बजे गुंजन फिर प्रकाश के घर अमौसी पहुंची। जहां करीब आधे घंटे रुकने के बाद फिर वापस चली गई। प्रकाश का कहना है कि शाम करीब 4 बजे जब उसने गुंजन को फोन किया तो पहली बार उसने फोन काट दिया। दोबारा फोन करने पर रोने चिल्लाने की आवाज आई। तभी गुंजन ने प्रकाश को अमित द्वारा फांसी लगाने के बारे में बताया। जानकारी मिलने पर जब प्रकाश उसके घर पहुंचे तो वहां पंखे के हुक से साड़ी लटकती मिली। इस पर प्रकाश ने गुंजन को फोन किया। इसके बाद पता चला कि अमित को लेकर गुंजन सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद है। वहां पहुंचने पर पता चला कि चिकित्सकों ने अमित को मृत घोषित कर दिया है। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं इस मामले में मृतक अमित के पिता प्रकाश ने संदेह जताते हुए बताया कि उसका बेटा फांसी नहीं लगा सकता। उसने मामले को संदिग्ध बताया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसका पति उसे इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल ले गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक शांति नगर निवासी अभिषेक यादव ने सालभर पहले श्वेता (23) से प्रेम विवाह किया था। बाद में वह अपने परिजनों से दूर हज हाऊस के सामने किराये का कमरा लेकर श्वेता के साथ रहने लगा। गुरुवार सुबह किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद श्वेता ने जहरीला पदार्थ खा लिया। स्वेता की हालत बिगड़ने पर अभिषेक ने उसे इलाज के लिए बाराबिरवा स्थित लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां स्वेता ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मृतका के मायके पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत या आरोप नहीं लगाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व मामले जाँच के बाद ही मौत के सही कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पासिन ढकवा गांव में शराब ठेके के खिलाफ आंदोलन उग्र, भूख हड़ताल की चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पासिन ढकवा गांव में देसी शराब ठेके के विरोध में ग्रामीणों और किसानों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन के नेतृत्व में चल रहे इस अनिश्चितकालीन धरने को अब चार दिन बीत चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को अंतिम चेतावनी देते हुए घोषणा की है कि यदि ठेका तत्काल दूसरी जगह शिफ्ट नहीं किया गया तो शुक्रवार से वे भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। शराब ठेका स्थानांतरित न होने पर जल समाधि जैसे कठोर कदम उठाने की भी बात कही जा रही है। आंदोलन की जड़ 2 फरवरी की रात को हुई संतराम रावत की हत्या में है। ग्रामीणों का आरोप है कि हत्या शराब ठेके के निकट हुई, जिसके बाद गांव में भय का माहौल फैल गया। ठेका असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका है। निर्धारित समय से अधिक देर तक शराब बिक्री होती है, जिससे बाहरी लोगों की रात में आवाजाही बनी रहती है। इससे झगड़े, मारपीट और अशांति की घटनाएं बढ़ गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ठेका गांव की शांति के लिए खतरा बन गया है। यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दादा मान सिंह ने कहा कि जब तक ठेके को हटाने का लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा, आंदोलन नहीं रुकेगा। धरने में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने संतराम रावत के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। स्थानीय सूरज प्रधान ने गुरुवार को पीड़ित परिवार को मदद पहुंचाई। साथ ही प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से परिवार की मदद की गुहार लगाई गई है। प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस फैसला नहीं आया है।

संक्षेप

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत चार घायल

बांगरमऊ, उन्नाव। दो बाईकों के बीच हुई आमने सामने की भिड़ंत में चार लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए जिन्हे स्थानीय सी एच सी से रेफर कर दिया गया।बांगरमऊ क्षेत्र के गांव गंभीरपुर निवासी संजय 20 वर्ष पुत्र जगदीश अपने साथी अमन 22 वर्ष पुत्र दर्शन निवासी खम्भोली के साथ बाइक द्वारा गंजमुरादाबाद की तरफ आ रहा था तभी ताजपुर मार्ग पर बड़ी कालिका मंदिर के नजदीक सामने से आ रहे दूसरे बाइक सवार प्रेमचंद 45 वर्ष पुत्र रामदास निवासी महोई एफ 84 व संतराम 55 वर्ष पुत्र मूलचंद निवासी गंजमुरादाबाद के साथ आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई इस हादसे के बाद चारों लोगो को स्थानीय सी एच सी पर लाकर भर्ती कराया गया जहा से चारों को रेफर कर दिया गया।गुरुवार को करीब 12 बजे हुए इस हादसे में घायलों के एक साथ मुरादाबाद अस्पताल पहुंचने पर अफरा तफरी का माहौल बना रहा।

बंदरों के दौड़ाने से युवक छत से नीचे गिरा इलाज के दौरान मौत

पुरवा, उन्नाव। छत पर शौच क्रिया करने गए अधेड़ को बंदर ने दौड़ा लिया जिससे छत से गिरने से गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे परिजन इलाज के लिये सी एच सी लाये जहा प्राथमिक उपचार के बाद जिलाअस्पताल रिफर कर दिया जहा इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी ।कोतवाली के गांव अंगनुआखेड़ा निवासी महावीर 55 पुत्र हरदेव लाल बुधवार को सुबह शौच को छत पर गये थे ।जहां अचानक पहुंचे बंदर ने उसे दौड़ा लिया ।जिस पर भागने पर महावीर, अचानक छत से नीचे आ गिरने से गम्भीर रुप से घायल हो गये ।घटना के बाद परिजन फौरन उसे ईलाज को स्थानीय सीएचसी लेकर पहुंचे ।जहां हालत गम्भीर होने पर उसे जिला अस्पताल से हैलट कानपुर रेफर कर दिया ।जहां उनकी मौत हो गयी ।घटना को लेकर पत्नी बसंती व पुत्र योगेश आदि परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एटीएम कार्ड बदलकर टप्पेबाज ने 35 हजार रुपए निकाले

बांगरमऊ, उन्नाव।स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा के बाहर स्थित एटीएम बूथ पर टप्पेबाजी का मामला सामने आया है। अज्ञात युवक ने चालाकी से एटीएम कार्ड बदलकर युवक के खाते से 35 हजार रुपये निकाल लिए। घटना की जानकारी मोबाइल पर संदेश आने के बाद हुई।नगर के मोहल्ला पुरबिया टोला निवासी दिलशाद अली पुत्र अब्बास अली पुणे में रहकर काम करता है। दिलशाद ने अपना एटीएम कार्ड अपने भाई रेहान को दे रखा है। गत मंगलवार को रेहान उन्नाव रोड स्थित स्टेट बैंक के बाहर लगे एटीएम बूथ से रुपये निकालने गया था। रुपए निकालने के बाद रेहान ने एटीएम कार्ड मशीन पर रख दिया और रुपए जेब में रखने लगा। तभी पीछे खड़े एक युवक ने मशीन पर रखा कार्ड उठाकर उसे टोकते हुए कहा कि एटीएम कार्ड ऐसे नहीं रखा जाता है।इसी बीच उसने एटीएम कार्ड बदल लिया।रेहान को इसकी भनक भी नहीं लगी। वह घर लौट आया। बाद में आरोपी ने खाते से 35 हजार रुपये पार कर दिए। मोबाइल पर संदेश आने के बाद टप्पेबाजी की जानकारी हुई। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से करने की तैयारी की है।

युवक ने फांसी फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला की समाप्त

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक 26वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना ग्राम मोती खेड़ा मजरे हिलौली विकासखंड की है, जहां बुधवार शाम यह दुखद मामला सामने आया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अंकित यादव 26 वर्षीय पुत्र राजा राम के रूप में हुई है। वह अपने दो भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटा था। परिजनों के अनुसार, अंकित बुधवार शाम अपने कमरे में गया और काफी देर तक बाहर नहीं आया। जब परिजनों ने दरवाजा खटखटाया और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो उन्होंने दरवाजा खोला। दरवाजा खोलने पर परिजनों ने अंकित को फंदे से लटका पाया। उन्होंने तुरंत उसे नीचे उतारा और पड़ोसी लोगों की मदद से हॉस्पिटल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। यह घटना की सूचना मिलते ही मौरावां पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी सेनिरीक्षण किया और आवश्यक पूछताछ के बाद शव को विच्छेदन गृहके लिए जिला अस्पताल भेज दिया।रिश्तेदारों और ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि अंकित किसी युवती से फोन पर बातचीत करता था। बताया जा रहा है कि उस युवती की शादी 13 फरवरी को तय थी। परिजनों ने भी पुलिस को बताया है कि घटना से पहले अंकित की उस युवती से फोन पर बात हुई थी, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया। हालांकि, पुलिस ने अभी तक आत्महत्या के किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।मृतक के पिता राजा राम और अन्य परिजन इस घटना से गहरे सदमे में हैं। मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक का माहौल है। अंकित अविवाहित था और परिवार के साथ रहकर खेती-बाड़ी व अन्य कार्यों में हाथ बंटाता था। मौरावां थाना प्रभारी कुवर बहादुर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मोबाइल फोन की कॉल डिटेल सहित अन्य सभी संभावित बिंदुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है। पी एमरिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही स्पष्ट कारणो का पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहनता से जांच कर रही है।

तीन पहिया ऑटो और ई-रिक्शा दे रहे मौत को दावत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर और क्षेत्र की सड़कों पर दौड़ते तीन पहिया ऑटो और ई-रिक्शा अब आम जनता के लिए सुविधा से ज्यादा 'खतरा' बनते जा रहे हैं। आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं ने यातायात सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तेज गति, नियमों की अनदेखी और अप्रशिक्षित चालक इस जानलेवा समस्या के मुख्य कारण बनकर उभरे हैं। सड़कों पर सवारियां उठाने की होड़ में ऑटो चालक निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करते हैं। तीन पहिया वाहन का संतुलन तेज मोड़ पर बहुत खराब होता है, जिससे इनके पलटने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। अक्सर देखा जाता है कि 3-4 सवारी की क्षमता वाले ऑटो में 8 से 10 लोगों को बैठाया जाता है। भारी वजन के कारण ब्रेक लगाने पर वाहन नियंत्रण से बाहर हो जाता है। शॉर्टकट के चक्कर में ऑटो चालक अक्सर मुख्य सड़कों और हाईवे पर गलत दिशा में वाहन चलाते हैं, जो भीषण टक्कर का मुख्य कारण बनता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ई-रिक्शा और कई ऑटो के ढांचों में 'क्रंपल जोन' नहीं होता। टक्कर होने पर वाहन का लोहा सीधे सवारियों को चोट पहुँचाता है। हाल ही में सवारी से भरा एक तेज रफ्तार ऑटो स्कूटी को बचाने के चक्कर में पलट गया था जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मुख्य मार्गों पर तेज रफ्तार वाहनों और ई-रिक्शा के बीच टक्कर में आए दिन मौतें हो रही हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय अब ई-रिक्शा के लिए भी 'भारत NCAP' की तर्ज पर सेफ्टी रेटिंग लाने पर विचार कर रहा है। कई राज्यों में हाईवे पर तीन पहिया वाहनों के चलने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है ताकि तेज रफ्तार ट्रैफिक के बीच होने वाले हादसों को रोका जा सके। ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के लिए अनिवार्य ट्रेनिंग और लाइसेंसिंग प्रक्रिया होनी चाहिए। ऑटो के लिए अलग लेन या निश्चित रूट तय किए जाने चाहिए। पुलिस को ओवरलोडिंग और ओवरस्पीडिंग के खिलाफ सख्त अभियान चलाना होगा। यदि समय रहते इन ₹मौत के दूत₹ बनते वाहनों पर लगाम नहीं लगाई गई, तो सड़कों पर चलना आम आदमी के लिए और भी दूभर हो जाएगा। प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों को भी जागरूक होना होगा कि वे क्षमता से अधिक सवारी वाले ऑटो में बैठने से बचें।

अवैध तमंचा व दो कारतूस समेत युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। थाना आसीवन पुलिस ने एक टाप टेन अपराधी संदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक 315 बोर का तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए हैं। संदीप सिंह पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। उपनिरीक्षक जयप्रकाश यादव अपनी टीम के साथ 11 फरवरी 2026 को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान भगवानदीन खेड़ा तिराहे के पास से संदीप सिंह (उम्र करीब 24 वर्ष) को रात 8:55 बजे गिरफ्तार किया गया। संदीप सिंह पुत्र स्वर्गीय रामशंकर सिंह, निवासी ग्राम भगवानदीन खेड़ा, थाना आसीवन, उन्नाव का रहने वाला है। वह पुलिस की टाप टेन सूची में शामिल था और माखी थाने से भी वांछित था। गिरफ्तार आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ आसीवन, हसनगंज और अजगैन सहित विभिन्न थानों में कुल 12 मुकदमे दर्ज हैं। इन मुकदमों में आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट, हत्या का प्रयास, चोरी और एनडीपीएस एक्ट जैसी गंभीर धाराएं शामिल हैं। विधिक कार्यवाही के बाद उसे माननीय न्यायालय के समक्ष न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर क्षेत्र के अढौली गांव में चल रही नौ श्रीमद्भागवत कथा में वृंदावन से आई कथा व्यास आराध्या किशोरी जी ने कहा कि निर्मल मन से ईश्वर का भजन करने और समाज की सेवा करने वाले व्यक्ति का मोक्ष हो जाता है गजेंद्र ने अपने बल का भरोसा छोड़कर भगवान को पुकारा भगवान कृष्ण ने ग्राह को मारकर गज की रक्षा की। कथा व्यास आराध्या किशोरी जी ने अजामिल आख्यान, गजेन्द्र व ग्राह ,यदुवंश की कथा सुनायी । अजामिल की कथा सुनाते हुये कहा कि अजामिल ब्राम्हण कुल में जन्मे कर्मकांडी थे। वैश्या को देखकर अपनी पत्नी को भूलकर सब कुछ वैश्या को लूटा दिया। एक दिन अजामिल के घर कुछ संत पधारे जिन्होने उसके घर में भोजन के उपरांत होने वाले छोटे बेटे का नाम नारायण रखे यही हमारी दक्षिणा होगी। अजामिल की पत्नी को पुत्र पैदा हुआ तो अजामिल ने उसका नाम नारायण रख लिया अंत समय में नारायण का नाम लेने से यमदूतो को भगवान के दूतों के सामने अजामिल को छोडकर जाना पड गया। वही गजेंद्र मोक्ष की कथा सुनाते हुए कथा आचार्या ने कहा कि अपने बल पर ही जल में रहने वाले ग्राह को पकड़ने की कोशिश में लगे गजेंद्र को सफलता नहीं मिली और उनका अभिमान चूर-चूर हो गया अभिमान त्याग गजेंद्र द्वारा भगवान को पुकारते ही भगवान ने ग्राह कों मारकर गजेंद्र की रक्षा की। उन्होंने कहा कि अजामिल को अच्छी संगति से मोक्ष मिला वही गजेंद्र ने अभिमान छोड़ा तो उन्हें भी मोक्ष प्राप्त हुआ। मानव को चाहिए कि जीवन में अच्छी संगति करे और अभिमान का त्याग कर समाज को नई दिशा देने का कार्य करें। बिना लोक उपकार के ईश्वर की प्राप्ति कष्ट साध्य है। कथा में सिप्पू सिंह ,रामू यादव, मान सिंह ,रजोले सिंह, रामरूप हिन्दूपुर, शम्भू रतन तिवारी ,रमेश शंकर तिवारी,रमेश कुमार पाल,लाला यादव,किशोर मिश्र, सक्षम सिंह आदि रहे।

शिवरात्रि महापर्व को लेकर एसपी ने थाना प्रभारी से ली जानकारी

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। 15 फरवरी को शिवरात्रि महापर्व को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह बक्सर चौकी पहुंच गंगा स्नान तथा शिवरात्रि पर होने वाले कार्यक्रमों के बारे में थाना अध्यक्ष व चौकी इंचार्ज से जानकारी ली। शिवरात्रि महापर्व पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमो तथा शिव शोभायात्रा को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह दोपहर बारा सगवर थाना क्षेत्र की बक्सर चौकी पहुंचे साथ में मौजूद थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा से थाना क्षेत्र में होने वाले विभिन्न उत्सव तथा शिव शोभा यात्रा के बारे में जानकारी ली ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आयोजित होने वाले कार्यक्रम में अराजकता फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा नसेबाजी कर हुड़दंग फैलाने वालों से भी शक्ती से निपटे। शिवरात्रि पर्व में गंगा स्नान करने आने वाले लोगों के लिए स्नान घाटों पर पुलिस फोर्स की पर्याप्त तैनाती के भी निर्देश दिए। मेले में आने वाले चोर उचक्कों के पर भी पूरी नजर रखे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्नान घाटों का निरीक्षण भी कर उसके बाद उन्होंने बक्सर चौकी पहुंचकर चौकी इंचार्ज राजेंद्र मिश्रा से अभिलेखों की जानकारी ली ।चौकी इंचार्ज से रात में ग्रस्त बढ़ाने के निर्देश दिए।

गड्ढा मुक्ति अभियान के नाम पर खानापूर्ति, योगी सरकार के आदेशों की उड़ाई जा रही धज्जियां

अमन लेखनी समाचार /रोहित कुमार कनौजिया

औरास, उन्नाव उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए सख्त निर्देश जारी कर रही है, लेकिन उन्नाव के पीडब्ल्यूडी (ढहऊ) विभाग और ठेकेदारों की मिलीभगत से इन आदेशों को ठेंगा दिखाया जा रहा है। औरास ब्लॉक क्षेत्र के पूराचाद मार्ग पर चल रहा पैचिंग कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है।

डामर नदारद, केवल 'लीपापोती' का खेल

स्थानीय ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पूराचाद मार्ग पर गड्ढा मुक्ति अभियान में घोर अनियमितता बरती जा रही है। सड़क पर डामर का कहीं पता नहीं है, बस नाममात्र के लिए उल्टा-सीधा पैच लगाकर बजट खपाने की तैयारी है। आलम यह है कि बिना सही मानक के किया जा रहा यह कार्य कुछ ही महीनों में फिर से उखड़ जाएगा, जिससे जनता के टैक्स का पैसा सीधे ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों की जेब में जा रहा है।

ग्राम प्रधान ने सोशल मीडिया पर बयां किया दर्द

कबरोई के वर्तमान प्रधान गजेंद्र प्रताप सिंह ने इस बदहाली पर गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से सिस्टम पर गंभीर आरोप लगाते हुए अपनी पीड़ा साझा की। प्रधान का कहना है कि:

इसी मार्ग से गांव के सैकड़ों लोगों का रोजाना आना-जाना होता है। सड़क की दुर्दशा इतनी खराब है कि बयान करना मुश्किल है, लेकिन भ्रष्टाचार के चलते काम में कोई पारदर्शिता नहीं दिख रही है।

भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का बोलबाला

ग्रामीणों का आरोप है कि पीडब्ल्यूडी विभाग और ठेकेदारों के बीच फिक्स कमीशन के चलते सड़कों की गुणवत्ता से समझौता किया जाता है। यही कारण है कि एक साल के भीतर ही नई बनी सड़कें भी ध्वस्त हो जाती हैं। पूराचाद मार्ग की मौजूदा हालत सिस्टम की संवेदनहीनता को दर्शा रही है।

अब देखना यह होगा कि खबर वायरल होने के बाद क्या जिले के उच्चाधिकारी इस पर संज्ञान लेते हैं या भ्रष्टाचार का यह 'पैच वर्क' ऐसे ही चलता रहेगा.

दो माह पहले बालक की हत्या के आरोप मे बाल सुधार गृह से आये आरोपी की गला दबाकर हत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र की पंचायत दरसन्वा के मजरा राधा नगरी निवासी सूरज लोधी 17 वर्ष पुत्र रामकुमार बुधवार शाम दरसवा बाजार के लिये निकला था। देर रात तक घर ना आने पर परिजन फोन मिलाया तो घंटी बजती रही लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। खोजबीन करने पर पता नहीं चला। गुरुवार सुबह लगभग 10 बजे दरसवा निवासी महिला खेत पर जा रही थी फोन बजता देख फोन रिसीव किया तो सूरज की मां को गांव के बाहर लगभग दो सौ मीटर दूर उमा शंकर के सरसों के खेत के पास खन्थी मे शव पड़ा होने की जानकारी दी। सूचना पर एसओ फूल सिंह ,सीओ तेज बहादुर सिंह फोरेंसिक टीम के साथ पहुंच जांच पड़ताल कर घटना स्थल से सैंपल एकत्र कर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। सूरज तीन भाइयों मे बीच का था बड़ा भाई नीरज व छोटा सचिन। मां गंगादेई व छोटी बहने आँचल ,आरती और अर्चना बेहाल हैं। रामकुमार ने पुलिस को गांव के ही कल्लू उसके बेटे अरविन्द व दीपक और सोहरामऊ थाना क्षेत्र के आशाखेड़ा निवासी दामाद मोनू के खिलाफ नामजद हत्या की तहरीर दी हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियो की तलाश की जा रही हैं। एसओ फूल सिंह ने बताया की पिता रामकुमार ने चार लोगो के खिलाफ हत्या की तहरीर दी हैं। रिपोर्ट दर्ज कर नामजद आरोपियो की तलाश की जा रही हैं।बीती 6 जुलाई 2024 को आशाखेड़ा निवासी मोनू आपने परिवार के साथ मांगलिक कार्यक्रम मे शामिल होने आया था। मोनू के बेटे आशीष 9 वर्ष का शव घर के बगल मे खन्थी मे पड़ा मिला था। मोनू ने सूरज के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पुलिस ने सूरज को बाल सुधार गृह भेजा था।

यूपी बोर्ड की परीक्षा 139 मजिस्ट्रेट रहेगें तैनात

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकल विहीन और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। इन परीक्षाओं की निगरानी के लिए जिले में कुल 139 मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। इनमें 6 जोनल, 11 सेक्टर और 122 स्टेटिक मजिस्ट्रेट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 122 केंद्र व्यवस्थापकों के साथ समान संख्या में अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक भी नियुक्त किए गए हैं। प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार, प्रत्येक जोनल मजिस्ट्रेट को एक तहसील के अंतर्गत आने वाले परीक्षा केंद्रों की निगरानी का जिम्मा सौंपा गया है। उनके मार्गदर्शन में सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेट कार्य करेंगे। जिले की छह तहसीलों में स्थित कुल 122 परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए 11 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। वहीं, प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट मौजूद रहेगा, जो प्रश्नपत्र वितरण, उत्तर पुस्तिकाओं की उपलब्धता और परीक्षा कक्ष की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखेगा। इस वर्ष यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित होंगी। उन्नाव जिले में कुल 71,675 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं, जिनमें हाईस्कूल के 39,508 और इंटरमीडिएट के 32,166 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। ये परीक्षाएं जिले के 122 निर्धारित केंद्रों पर संपन्न कराई जाएंगी। इनमें 10 राजकीय, 50 अशासकीय सहायता प्राप्त और 62 वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। प्रशासन ने छह केंद्रों को संवेदनशील श्रेणी में चिन्हित किया है, जहां विशेष सतर्कता बरती जाएगी। जिले की छह तहसीलों में कुल 59 सहायता प्राप्त, 41 राजकीय और 314 वित्तविहीन विद्यालय संचालित हैं। बोर्ड परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी, जिसमें पहली पाली सुबह और दूसरी पाली दोपहर बाद होगी। परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र विद्यालयों को प्राप्त हो चुके हैं और उनका वितरण भी शुरू कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, उड़नदस्तों की सक्रियता और सख्त जांच व्यवस्था के माध्यम से किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

अवैध मिट्टी खनन पर कार्यवाही ट्रैक्टर ट्राली जब्त चालक फरार

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। पुलिस ने अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की गई, जब ट्रैक्टर-ट्रॉली से अवैध रूप से खनन की गई मिट्टी उतारी जा रही थी। पुलिस को देखकर चालक मौके से फरार हो गया। यह घटना आज की है, जब उपनिरीक्षक मदन चंद्र अपने हमराह कांस्टेबल कुशलपाल सिंह के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि सलमान पुत्र शमशाद निवासी ग्राम हयातनगर भौंरा, थाना बेहटा मुजावर, अवैध रूप से मिट्टी का खनन कर रहे हैं। इस मिट्टी का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था और इसे चुरई पुत्र देवराज निवासी कलवारी, थाना बांगरमऊ के घर पर डाला जा रहा था। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक मदन चंद्र और कांस्टेबल कुशलपाल सिंह चुरई के घर पहुंचे। वहां उन्होंने एक स्वराज ट्रैक्टर-ट्रॉली को मिट्टी उतारते हुए देखा। पुलिसकर्मियों को देखते ही ट्रैक्टर का चालक उसे चालू हालत में छोड़कर भाग गया। मौके पर जांच करने पर पाया गया कि लगभग 15 ट्रॉली मिट्टी पहले ही डंप की जा चुकी थी। जब्त किए गए ट्रैक्टर पर कोई नंबर प्लेट नहीं लगी थी। पुलिस ने मौके पर ट्रैक्टर के मालिक और चालक की तलाश की, लेकिन कोई नहीं मिला। अवैध खनन और परिवहन के आरोप में ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने में दाखिल किया गया है। इस ट्रैक्टर का उपयोग अवैध मिट्टी खनन में किया जा रहा था, जिसके संबंध में खनन अधिकारी को एक अलग से रिपोर्ट भेजी गई है।

अनियंत्रित ई रिक्शा पलटा चालक की मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में रिक्शा चालक की नीचे दबकर मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है ।मृतक की पहचान शादीपुर गांव निवासी संतोष पाल (30) पुत्र मैकू पाल के रूप में हुई है। संतोष ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे वह संडीला मार्ग से बेहटा मुजावर जा रहे थे, तभी गंगा एक्सप्रेसवे के निकट उनका ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया ।संतोष पाल की मौत के बाद उनके परिवार में मातम छा गया है। उनके परिवार में पत्नी रीना, दो बेटे विवेक (15 वर्ष) और अभिषेक (13 वर्ष), तथा एक बेटी वंदना (9 वर्ष) हैं। तीनों बच्चे गांव के एक निजी स्कूल में पढ़ते हैं, जिनमें विवेक सातवीं, अभिषेक छठी और वंदना तीसरी कक्षा में हैं ।पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में आवश्यक जांच पड़ताल की जा रही है।

शौच क्रिया को जा रहे वृद्ध को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तुसरौर से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहां 70 वर्षीय बुजुर्ग राजेंद्र मिश्रा उर्फ मस्ताना, पुत्र रामेश्वर मिश्रा, आज सुबह लगभग 4 बजे शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी ।बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन चालक उन्हें करीब दो किलोमीटर तक घसीटता हुआ ले गया। इसके बाद आरोपी चालक बिलेश्वर गेट नंबर 2 मंदिर के पीछे वाले गेट के पास शव को सड़क किनारे छोड़कर वाहन समेत फरार हो गया। घटनास्थल पर सड़क पर दूर तक खून के निशान और क्षतिग्रस्त अवशेष मिले, जिससे हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है ।सूचना मिलते ही पुरवा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुरवा कोतवाल अमरनाथ ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी और पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है ।मृतक अपने पीछे पत्नी बिटाना, बड़े पुत्र श्याम, पुत्री गुड़िया और छोटे पुत्र राम सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है ।फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश में जुटी है।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत बुधवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में अनियंत्रित डंफर द्वारा बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार देने से बाइक सवार की हुई मौत से परिवारिक मांगलिक कार्यक्रम मायूसी में बदल गया। पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

जिला रायबरेली के खीरो थाना क्षेत्र के पहाड़पुर निवासी सचिन पुत्र विनोद कुमार मिश्रा उम्र 28

बिहार थाना क्षेत्र के रामपुर लोन में बुधवार को अपनी बहन के घर हो रहे मांगलिक कार्यक्रम शामिल होकर रात्रि 11बजे के लगभग घर जा रहा था तभी आकमपुर के पास लालगंज की तरफ से आ रहे अनियंत्रित डंफर ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरो व पुलिस की मदद से सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहा डॉक्टरो ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। परिजनों ने अभी कोई तहरीर नही दी है। उसकी मौत की खबर सुन कोहराम मच गया। गुरुवार को रामपुर लोन उसके भांजे की बारात जानी थी। खुशियां गम में बदल चुकी थी।

दिवंगत तीन भाइयों नवीन व रोबिन में सबसे बड़ा व अविवाहित था। तीन बहनों के साथ माँ साधना दहाड़ मार रोये जा रही थी।

सम्पादकीय

शहरों के विकास पर नए तरीके से सोचना होगा

देश में शहर तेजी से फैल रहे हैं, लेकिन विकास की यह रफ्तार अब आम लोगों की जान और सेहत के लिए खतरा बनती जा रही है। सड़कें, मॉल, दुकानें, सीवर और पानी की लाइनें सब कुछ बन रहा है, लेकिन बिना समुचित योजना, निगरानी और जवाबदेही के। नतीजा यह है कि शहरों में होने वाले हादसे अब अपवाद नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई बन चुके हैं। सवाल यह नहीं है कि हादसे क्यों हो रहे हैं, बल्कि यह है कि इन्हें रोकने के लिए जिम्मेदार कौन हैं और कब तक इस लापरवाही को दुर्घटना कहकर टाला जाता रहेगा। शहरों की बदहाल स्थिति के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी अव्यवस्थित विकास मॉडल की है। सड़कों की खुदाई, निर्माणाधीन मॉल और दुकानों के आसपास खुले गड्ढे, बिना बैरिकेडिंग के चल रहा काम और सुरक्षा मानकों की अनदेखी ये सभी सीधे तौर पर इंसानी जान से खिलवाड़ हैं। हाल के दिनों में सामने आई घटनाएं इस व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी हैं। नोएडा में पिछले महीने सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत एक दर्दनाक उदाहरण है। निर्माणाधीन मॉल के पास बिना बैरिकेड और चेतावनी संकेतों के खुले, पानी से भरे गहरे गड्ढे में उनकी कार गिर गई। इंजीनियर ने खुद पुलिस को फोन कर मदद मांगी, लेकिन समय पर सहायता नहीं मिली और उनकी जान चली गई। यह हादसा नहीं, बल्कि सिस्टम की असंवेदनशीलता और लापरवाही का नतीजा था। अब दिल्ली में भी ऐसी ही एक और भयावह घटना सामने आई, जहां 25 वर्षीय युवक रात में घर लौटते समय दिल्ली जल बोर्ड के पास करीब 4.5 मीटर गहरे गड्ढे में गिर गया। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि वह युवक करीब आठ घंटे तक गड्ढे में पड़ा तड़पता रहा, मदद के लिए गुहार लगाता रहा, लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी या विभाग हरकत में नहीं आया। न चेतावनी बोर्ड थे, न बैरिकेडिंग और न ही निगरानी। यह गड्ढा सिर्फ सड़क में ही नहीं, बल्कि सिस्टम की जवाबदेही में भी उतना ही गहरा था। जांच एजेंसियों ने इस मामले को महज दुर्घटना नहीं, बल्कि गंभीर और आपराधिक लापरवाही माना है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या महज कुछ गिरफ्तारियों से शहर सुरक्षित हो जाएंगे? शहरों की दुर्दशा का एक और पहलू बढ़ता प्रदुषण है। धूल, अव्यवस्थित ट्रैफिक, लगातार चल रहे निर्माण कार्य और सर्दियों में स्मॉग ने शहरों में सांस लेना तक मुश्किल कर दिया है। प्रदूषण और सड़क हादसे मिलकर हर साल हजारों जिंदगियों को लील रहे हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि शहरी नियोजन की विफलता का भी मुद्दा है। अब समय आ गया है कि सरकार और शहरी प्रशासन नए सिरे से सोचें। जैसे देश भर में बाईपास और राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल बिछाया गया, वैसे ही शहरों के अंदरूनी ढांचे के लिए भी दीर्घकालिक और समग्र योजना बनाई जाए। आबादी के अनुपात में सड़कें, ड्रेनेज सिस्टम, सीवरेज और पानी की लाइनें विकसित हों। इंदौर जैसी घटनाएं, जहां पानी और सीवर की लाइनें एक साथ होने से लोगों की जान गई, यह बताती हैं कि बुनियादी सुविधाओं में तालमेल की कितनी कमी है। सबसे जरूरी है जवाबदेही तय करना। हर निर्माण कार्य के लिए स्पष्ट जिम्मेदारी, नियमित निरीक्षण और सुरक्षा मानकों का सख्त पालन अनिवार्य होना चाहिए। खुले गड्ढे, अधूरे काम और लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। हादसे के बाद मुआवजा और जांच से ज्यादा जरूरी है हादसों को होने ही न देना। शहर तभी सच में विकसित कहलाएंगे, जब वहां रहने वाले लोग खुद को सुरक्षित व स्वस्थ महसूस करें।

संसद सत्र
अम्बरीष प्रजापति

जनता की उम्मीदों पर भारी पड़ता 'हंगामा'

भारत की संसद भारतीय लोकतंत्र का मंदिर है जहां से देश की नीति और नियति तय होती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में सत्र दर सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने का एक चिंताजनक चलन बढ़ा है। जब संसद की कार्यवाही बाधित होती है, तो यह केवल शोर-शराबा नहीं होता, बल्कि देश के विकास की गति पर ब्रेक होता है। 2026 में हाल ही के सत्र में महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बोलना था लेकिन प्रधानमंत्री के बोलने से पहले ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया और सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस सत्र में 3 फरवरी को 36 मिनट, 4 फरवरी को 30 मिनट और 5 फरवरी को सिर्फ 12 मिनट संसद चली। संसद सत्र को 6 दिन में 42 घंटे चलना था लेकिन मात्र 7 घंटे 69 मिनट ही चला। 34 घंटे 31 मिनट का समय हंगामे के कारण बर्बाद हो गए। संसद सत्र के इन 6 दिनों में 25 करोड़ 89 लाख रुपये फिजूल में अपव्यय हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। सरकार हर सत्र में जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतियों पर चर्चा के लिए तैयार रहती है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष की ओर से लोकतांत्रिक चर्चा के बजाय 'हंगामे' को एक हथियार बना लिया गया है। संसद का बाधित होना केवल सरकार की कार्यवाही रोकना नहीं, बल्कि देश की प्रगति में रोड़ा अटकाना है। संसद की कार्यवाही का बार-बार स्थगित होना अब एक सामान्य प्रक्रिया बनती जा रही है, लेकिन इसके पीछे छिपे आर्थिक और विधायी नुकसान इतने गहरे हैं कि वे आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रभावित कर रहे हैं। संसद के हालिया सत्रों के आंकड़े बताते हैं कि जब सदन में संवाद होता है तो जनहित के कार्य सार्थक होते है, लेकिन गतिरोध होने पर जनता के करोड़ों रुपये और सैकड़ों घंटे पानी में बह जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सत्र के दौरान संसद चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख रुपए प्रति मिनट तक आता है। यदि पूरा एक दिन हंगामे की भेंट चढ़ता है तो लगभग 8 से 9 करोड़ का सार्वजनिक धन बर्बाद हो जाता है। सोचने वाली बात है, यही पैसा जो स्कूल, अस्पताल या बुनियादी ढांचे के निर्माण में खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे के कारण जनता का पैसा बिना किसी कार्य के बर्बाद हो रहा है। बीते संसद सत्रों में भी ऐसा कुछ हाल रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बजट सत्र 2024 में लोकसभा में 123%, राज्यसभा में 110% बजट पर चर्चा हुई। मानसून सत्र 2025 में लोकसभा में 29%, राज्यसभा में 34% चर्चा हुई। शीतकालीन सत्र 2025 में लोकसभा में 111%, राज्यसभा में 121% चर्चा हुई। हंगामे के कारण करीब दो-तिहाई समय बर्बाद हुआ। प्रश्नकाल के दौरान मानसून सत्र 2025 में लोकसभा में केवल 23% और राज्यसभा में मात्र 6% प्रश्नकाल का उपयोग हो पाया। इसका अर्थ है कि जनता के 100 में से 90 से ज्यादा सवालों के जवाब मंत्रियों को देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। मानसून सत्र 2025 में निर्धारित घंटों का लगभग 70% समय शोर-शराबे और स्थगन की भेंट चढ़ गया। लोकतंत्र में संसद वह स्थान है जहां सुझाव दिए जाते हैं और कमियां बताई जाती हैं। सरकार ने बार-बार स्पष्ट किया है कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। सरकार ने बजट सत्र 2024 और शीतकालीन सत्र 2025 में रिकॉर्ड बिल पेश किए, लेकिन विपक्ष ने चर्चा में भाग लेने की बजाय वेल में आकर नारेबाजी करना बेहतर समझा। ऐसे ही मानसून सत्र में हंगामे के बीच 8 विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के पारित हो गए। पक्ष व विपक्ष आपस में एक दूसरे को दोष देना मात्र ही समस्या का समाधान नहीं है। इसके लिए संसद में सार्थक बदलाव की आवश्यकता हैं। कार्यवाही का अनिवार्य समय तय हो। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 'जितने घंटे हंगामे में बर्बाद हों, सदन उतनी ही देर अतिरिक्त चले' और सदन स्थगन होने पर सत्र पर होने वाला खर्च संसद सदस्यों के वेतन भत्ता से कटौती करने पर विचार किया जाना चाहिए। सदन की गरिमा भंग करने वाले सदस्यों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। सत्र के दौरान पक्ष व विपक्ष की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप करने से बचना चाहिए, बल्कि आरोप-प्रत्यारोप के लिए दिन निर्धारित करने के संबंध में विचार किया जाना चाहिए ताकि संसद सत्र सुचारु रूप से चल सके। सरकार को भी विपक्ष की मांगों को सुनने के लिए उदारता दिखानी चाहिए

लाल आतंक से मुक्ति की ओर बढ़ रहा देश

नक्सलवाद
रोहित माहेश्वरी

> देश का 90 प्रतिशत क्षेत्र पहले ही नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। पिछले 11 वर्षों में, केंद्र सरकार की समन्वित, बहुआयामी रणनीति, जिसमें सुनियोजित सुरक्षा अभियान, अभूतपूर्व अवसंरचना विकास, वित्तीय दबाव, तीव्र विकास और एक आकर्षक आत्मसमर्पण नीति शामिल है, ने वामपंथी उग्रवाद को 2014 में 126 जिलों से घटाकर 2025 में मात्र 11 जिलों तक सीमित कर दिया है। कभी नक्सलियों के अभेद किले के रूप में जाने जाने वाला नेशनल पार्क एनकाउंटर जोन बनता जा रहा है। अब सुरक्षाबलों के कैंप बन जाने के बाद यहां से लाल आतंक के पैर उखड़ने लगे हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सल अभियान को चलाने वाले बड़े नक्सली बचे ही नहीं हैं। अब पूरा नक्सली संगठन ही नेतृत्व विहीन हो चुका है।

जिस तरीके से पूरे देश में नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है, उससे एक बात साफ है कि केंद्र की मोदी सरकार पूर्ण दृढ़ संकल्प और शपथ के जिस पथ को लेकर चल रही थी, उसमें एक मजबूत रणनीति अब दिखने लगी है। केंद्र सरकार ने इस साल 31 मार्च तक लाल आतंक को खत्म करने की समय सीमा तय कर रखी है। जो पूरी होती दिखने लगी है। देश का 90 प्रतिशत क्षेत्र पहले ही नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। 1967 में बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुई नक्सलवाद की समस्या ने दशकों तक लाखों निर्दोष लोगों और सुरक्षाकर्मियों की जान ली और कई क्षेत्रों को विकास से वंचित रखा। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ एक ठोस और प्रभावी रणनीति अपनाई।

पिछले 11 वर्षों में, केंद्र सरकार की समन्वित, बहुआयामी रणनीति, जिसमें सुनियोजित सुरक्षा अभियान, अभूतपूर्व अवसंरचना विकास, वित्तीय दबाव, तीव्र विकास और एक आकर्षक आत्मसमर्पण नीति शामिल है, ने वामपंथी उग्रवाद को 2014 में 126 जिलों से घटाकर 2025 में मात्र 11 जिलों तक सीमित कर दिया है, जिनमें से केवल तीन ही सबसे अधिक प्रभावित बचे हैं, जो लाल गलियारे के लगभग खात्मे का संकेत है। अकेले साल 2025 में, 317 नक्सलियों शीर्ष नेतृत्व सहित को मार गिराया गया, 800 से अधिक को गिरफ्तार किया गया और लगभग 2,000 ने आत्मसमर्पण किया, जिससे नक्सलियों को अब तक की सबसे बड़ी क्षति मिली और मार्च 2026 तक नक्सल-मुक्त भारत की ओर तेजी से प्रगति हुई। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा बस्तर संभाग नक्सल प्रभावित है। इसमें सात जिले शामिल हैं। ये जिले महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के साथ सीमा साझा करते हैं, और लंबे समय से इसे माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माने जाते रहे हैं। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान तेज हुए हैं, जिससे नक्सलवाद पर तगड़ा प्रहार हुआ है।

छत्तीसगढ़ में साल 2024 से अब तक सीपीआई माओवादी के महासचिव नंबाला केशवा राव उर्फ बसवराजू जैसे टॉप नक्सल लीडर सहित 500 से अधिक नक्सलियों को फोर्स ने एनकाउंटर में मार गिराया है। इस साल अब तक छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ में 23 माओवादी मारे जा चुके हैं। तीन जनवरी को, बस्तर क्षेत्र में दो मुठभेड़ में कुल 14 माओवादी मारे गए थे। जिस तरह से आत्मसमर्पण को लेकर नक्सलियों की संख्या बढ़ी है, उससे एक बात साफ है कि नक्सलियों के भीतर इस बात का भय बैठ गया है, कि 31 मार्च तक आत्मसमर्पण नहीं किया गया तो सरकार किसी तरह के समझौते के मूड में अब नहीं है। इसका परिणाम भी दिखा है। छत्तीसगढ़ में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रहे माओवादी कमांडर जो यहां रहे वे सभी मारे गए हैं। हिड़मा से लेकर जिन लोगों को भी छत्तीसगढ़ में कमान दी गई थी, या तो वह राज्य छोड़कर चले गए या फिर न्यूट्रलाइज हुए हैं। बचे हुए कैडर के पास अब इतनी क्षमता नहीं बची, कि वो नक्सल अभियान को आगे लेकर चल सकें। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के लिए नेशनल पार्क का 2799 वर्ग किलोमीटर का इलाका सबसे सुरक्षित इलाका माना जाता था। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना का बॉर्डर इलाका घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा है। माओवादी इसे अपने कॉरिडोर के रूप में उपयोग करते थे, यह भी कहा जा सकता है, कि यह इलाका नक्सलियों

का सबसे अभेद दुर्ग वाला इलाका रहा है। कभी नक्सलियों के अभेद किले के रूप में जाने जाने वाला नेशनल पार्क एनकाउंटर जोन बनता जा रहा है। अब सुरक्षाबलों के कैंप बन जाने के बाद यहां से लाल आतंक के पैर उखड़ने लगे हैं। साल 2025 के बाद जिस नक्सल अभियान को चलाया गया उसमें यह बात तय की गई, कि मानसून के मौसम में भी इस अभियान को नहीं रोका जाएगा। नक्सलवाद को खत्म करने को लेकर चलाए जा रहे अभियान में हेलीकॉप्टर मिल जाने के बाद सुरक्षाबलों को बहुत सहूलियत मिल गई। मॉनिटरिंग भी तेज हो गई।

नेशनल पार्क इलाके में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना के बॉर्डर पर फोर्स तैनात होने के साथ ही सुरक्षा बलों ने कैंप खोल दिए, जिससे फोर्स की गतिविधियां तेज हो गईं। छत्तीसगढ़ में हुए नक्सली एनकाउंटर और उसमें जिस तरीके के नक्सली मारे गए, उसके बाद छत्तीसगढ़ में नक्सल अभियान को चलाने वाले बड़े नक्सली बचे ही नहीं हैं। जो भी नक्सली छत्तीसगढ़ में नक्सली संगठन को दिशा देते थे, उसके लिए रणनीति बनाते थे, उन तमाम नक्सलियों को या तो न्यूट्रलाइज किया गया या फिर कई ऐसे हैं जिन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। अब पूरा नक्सली संगठन ही नेतृत्व विहीन हो चुका है। यह एक बड़ी वजह है कि 60 दिनों के भीतर इसे पूरे तौर पर खत्म कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने एनआईए में एक समर्पित विभाग बनाकर नक्सलियों के वित्तपोषण पर प्रभावी ढंग से लगाम लगा दी है। इस विभाग ने 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है, जबकि राज्यों ने भी 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है और प्रवर्तन निदेशालय ने 12 करोड़ रुपये कुर्क किए हैं। इस एक साथ की गई कार्रवाई से शहरी नक्सलियों को गंभीर नैतिक और मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंची है और उनके सूचना युद्ध नेटवर्क पर नियंत्रण और भी कड़ा हो गया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश के नक्सल मुक्त करने को लेकर बनी रणनीति में राज्यों के बीच समन्वय मजबूत आधार बना। राज्यों के बीच आपसी तालमेल नहीं होना नक्सलियों के सफल होने का एक कारण होता था। नक्सलियों को समाप्त करने को लेकर जब रणनीति तैयार होनी शुरू हुई, तो उसके लिए पहली लाइन समन्वय की बनाई गई, ताकि इस अभियान को बल मिले। बीती 8 फरवरी को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुई एक विशेष कॉन्क्लेव के दौरान शाह ने माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की पुरजोर अपील की।

भारत सरकार ने वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क और मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार करके बुनियादी ढांचे को काफी मजबूत किया है, जिससे पहुंच, सुरक्षा प्रतिक्रिया और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण में सुधार हुआ है। मई 2014 से अगस्त 2025 तक, केंद्र सरकार ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 12,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया है, जबकि कुल 17,589 किलोमीटर की परियोजनाओं को 20,815 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया है। इन सबके बीच नक्सलवाद के खत्म होने के बाद विकास की जिस बुनियाद को जमीन पर उतरना है, वह बहुत बड़ी चुनौती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण उन सरेंडर नक्सलियों की है जिन्होंने सरेंडर पॉलिसी के तहत आत्मसमर्पण किए हैं। उनको समाज की मुख्यधारा से जोड़े रखना बड़ी चुनौती है। यहां शासकीय कमजोरी या प्रशासनिक ढांचे की लचर व्यवस्था की कोई भी छाप इस अभियान को फेल करने की बड़ी वजह बन सकता है। इसमें सबसे जरूरी है आम सुविधाओं का विस्तार और जो लोग सरकार की व्यवस्था पर भरोसा करके आए हैं, उस भरोसे को कायम रखने के सरकार के वैसे निर्णय जो सिर्फ विकास के लिए जाने जाते हैं, सबसे बड़ी चुनौती हैं। वास्तव में, देश से नक्सलवाद का खत्म होना विकासवाद की उस अवधारणा की पहली कुंजी है, जिससे भारत पूरे विश्व के फलक पर एकजुट होकर सिर्फ विकास की लड़ाई लड़ेगा।

पृथ्वी-जल-अग्नि-वायु व आकाश को देवता का दर्जा

संकलित
दर्शन

प्रदूषण की विनाशलीला को देखते हुए भारतीय ऋषियों ने कदम-कदम पर मानव को सजग किया है। चूंकि मनुष्य पंचमहाभूतों का समन्वय रूप है इसलिए सबसे पहले आध्यात्मिक महापुरुषों ने इसे जन्म से लेकर मृत्यु तक के अलग-अलग संस्कारों के साथ जोड़ दिया, ताकि मां के गर्भ में आने से लेकर सौ वर्ष तक वह अदैन्य भाव में जी सके। सबसे पहले भारतीय ऋषियों ने वसुधैव कुटुंबकम् की जो परिकल्पना की, उसमें नख से लेकर शिख तक पूरा शरीर एक वसुधा (धरती) के समान है। शरीर के किसी भी हिस्से में तकलीफ है तो यह शरीर रूपी विश्व को प्रभावित करेगी। इसके अलावा मनुष्य के जीने के जितने भी स्नेत हैं, वे सभी कुटुंब के सदस्यों की तरह हैं। जिसे 'क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंच रचित यह अधम शरीरा' से समझा जा सकता है। शरीर का आंतरिक हिस्सा चूंकि अधम है इसलिए वाह्य प्रकृति से उत्तमोत्तम पदार्थ ग्रहण कर उसके स्वरूप को और अधिक विकृत होने से बचाया जाना नितांत जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश सबको देवता का दर्जा दिया गया। द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन ही प्रदूषण के खिलाफ संघर्ष और जन जागरण का है। उम्र की परवाह न कर वह यमुना के प्रदूषित तत्व कालिया नाग का वध, प्रदूषित अग्नि लगाने वाले प्रलंबासुर का वध, अंतरिक्ष को शुद्ध करने के लिए व्योमासुर का वध, धरती की शुद्धता के लिए गो पालन करते हैं। त्रेता युग में रावण ने भी खर और दूषण नामक पर्यावरण-शत्रु तैनात किया था।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा- जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते में जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी में भर कर ले जाए। दोनों निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक-एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे, आखिर लालच ही बुरी बला है।

यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता दिवस (12 फरवरी) पर विशेष

खुलकर अपनों से बात करें और समस्या का उचित समाधान पाएं

किशोरावस्था बदलाव का दौर, जिज्ञासाओं को शांत करना जरूरी

लेखक -- मुकेश शर्मा

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

देश की आधी आबादी यानि महिलाओं और खासकर किशोर-किशोरियों (10 से 19 वर्ष) को पूरी तरह से स्वस्थ और सशक्त बनाने के लिए सरकार और स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का समुचित लाभ उठाने के लिए बड़ी तादाद में महिलाएं और किशोर-किशोरियां आगे भी आ रही हैं किन्तु कुछ भ्रांतियों के चलते आज भी कई बीमारियों या रोगों के बारे में वह खुलकर बात करने से अपनों तक से कतराते हैं या झिझक महसूस करते हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल है यौन जनित रोग (संक्रमण), जिसके बारे में वह अपनों से भी बात करने से हिचकते हैं। इस बारे में जागरूकता लाने और भ्रांतियों को जड़ से मिटाने के लिए ही हर साल 12 फरवरी को यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता दिवस मनाया जाता है।

किशोरावस्था शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बदलावों का दौर होता है, ऐसे में देश के इन कर्णधारों को सही दिशा दिखाने के लिए भी आज का यह खास दिन बहुत मायने रखता है। यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में सुनी-सुनाई बातों और इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारियों के भरोसे किशोर-किशोरियों को छोड़ने से बेहतर है कि उनसे खुलकर बात करें और उनकी जिज्ञासाओं को शांत करें ताकि उनके सुनहरे भविष्य का रास्ता तैयार हो सके। इसी उद्देश्य से स्कूलों में किशोर/किशोरियों की काउंसिलिंग की व्यवस्था की जाती है। किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक और साथिया केंद्र किशोरावस्था के बारे में सही जानकारी देने के साथ ही स्वास्थ्य समस्याओं का निदान भी करते हैं। इसके अलावा निकटतम सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों, आशा, एएनएम और घर के निकट स्थित आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर (हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) पर तैनात सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की भी ऐसे में मदद ली जा सकती है।

इस दिवस का मूल मकसद किशोर-किशोरियों और महिलाओं को यौन स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने के साथ ही प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में भी समुचित जानकारी मुहैया कराना है। गर्भ निरोधक साधनों के फायदे समझाने के साथ ही परिवार नियोजन के बारे में जागरूक बनाना है ताकि महिलाएं खुद से निर्णय लेने में सक्षम बन सकें कि उन्हें कब और कितने बच्चे चाहिए। यौन संचरित संक्रमण (एसटीआई) एक बड़ी समस्या है किन्तु लोग इस मुद्दे पर बात करने से कतराते हैं, जिसका असर किशोर-किशोरियों और दम्पति के प्रजनन स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। इसलिए यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को केवल शारीरिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से देखने की जरूरत नहीं है बल्कि उसे मानसिक और सामाजिक सरोकारों से भी जोड़कर देखने की आवश्यकता है। इसके लिए सुरक्षित गर्भनिरोधक विधियों के बारे में शिक्षित करने के साथ ही यौन संचरित संक्रमण और एचआईवी की रोकथाम और उनके लक्षणों और बचाव के बारे में भी समझ को विकसित करने की जरूरत है। इसके अलावा गर्भ न ठहरना या बच्चा न होने की समस्या को लेकर भी लोगों की भ्रांतियों को दूर किया जाना चाहिए और इस बारे में अपने साथी से खुलकर बात करनी चाहिए। सर्वाइकल और कैंसर की स्क्रीनिंग 30 वर्ष और उससे ऊपर की महिलाओं का अवश्य हो ताकि इस गंभीर बीमारी से आधी आबादी को आसानी से बचाया जा सके। इसमें जरूरी टीकाकरण की भी अहम भूमिका होती है। इसके साथ ही यौन हिंसा और भेदभाव जैसी स्थितियों से उबारकर किशोर-किशोरियों और महिलाओं को शारीरिक, मानसिक स्वस्थ्य प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की जिम्मेदारी निभाने के लिए भी आज का यह खास दिन हम सभी को प्रेरित करता है।

आज के समय में तमाम गर्भनिरोधक साधनों की मौजूदगी के बाद भी अनचाहा गर्भ धारण करना और असुरक्षित गर्भपात की स्थितियां इस ओर साफ इशारा करती हैं कि अभी इस मुद्दे पर समुदाय को जागरूक बनाने की सख्त जरूरत है। इसकी शुरूआत घर के बड़े-बुजुर्गों से होनी चाहिए ताकि वह अपनी आने वाली पीढ़ी को यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बता सकें और संकोच व झिझक से बाहर निकलकर इस गंभीर मुद्दे पर बात करने में सहज महसूस कर सकें। महिलाओं को रजोनिवृत्ति (मेनोपाज) से होने वाले शारीरिक बदलावों और दिक्कतों आदि के बारे में भी शिक्षित किया जाना चाहिए।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

X ट्रेंड

विश्वास की परंपराएं मजबूत

भारत और सेशेल्स के संबंध केवल राजनयिक संपर्क तक सीमित नहीं है। हिंद महासागर की लहरें सदियों से हमारे लोगों को जोड़ती आई है। इसके तटों पर दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा, संस्कृतियां मिलीं और विश्वास की परंपराएं मजबूत होती गईं।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वैश्विक पहचान पा रहा बस्तर

नक्सलियों ने जिस बस्तर को सदियों तक आईईडी और बारूदों के अंधकार में झोंक रखा था, मोदी जी के नेतृत्व में वहां की कला, संस्कृति, खान-पान और विरासत वैश्विक पहचान पा रही है। जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम' में जनजातीय कला व संस्कृति की समृद्ध विरासत को दर्शाती प्रदर्शनी का अवलोकन किया। -अमित शाह, गृहमंत्री

यूएस से तेल खरीद हमारे हित में

अमेरिका से तेल या एलएनजी, एलपीजी की खरीद भारत के अपने रणनीतिक हित में है, क्योंकि हम अपने तेल स्रोतों में विविधता ला रहे हैं। 'ट्रेड डील में यह तय नहीं होता है कि कौन किससे और क्या खरीदेगा। ट्रेड डील व्यापार के रास्ते को आसान बनाता है।
-पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री

किताब छप चुकी

रक्षा मंत्री ने गलत कहा कि किताब छपी नहीं है, जबकि वह छप चुकी है। राष्ट्रपति के भाषण पर भी एलओपी और विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। सत्तापक्ष के सदस्य ने कई किताबें कोट कर आपत्तिजनक बातें कहीं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। -राहुल गांधी, नेता विपक्ष

संक्षेप

अम्बेडकर स्टेडियम में दो शूटिंग रेंज तैयार

डीएम संजय चौहान का प्रयास सफल, मिलेगी उच्चस्तरीय ट्रेनिंग

अमेठी , डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में दो अत्याधुनिक शूटिंग रेंज तैयार की गई हैं। जिलाधिकारी (डीएम) संजय चौहान के प्रयासों से यह परियोजना साकार हुई है।इन रेंजों को 25 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है।इस पहल से अमेठी जिले को शूटिंग खेल के क्षेत्र में नई पहचान मिलने की उम्मीद है। डीएम संजय चौहान स्वयं एक उच्च स्तरीय शूटर हैं और उनके मार्गदर्शन में इन शूटिंग रेंजों की तकनीकी आवश्यकताओं, सुरक्षा मानकों और प्रशिक्षण सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।स्टेडियम परिसर में तैयार की गई 25 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग रेंज में पांच टारगेट लगाए गए हैं।यह रेंज अभ्यास और प्रतियोगिताओं दोनों के लिए पूरी तरह तैयार है और सभी आवश्यक मानकों को पूरा करती है। इसके अतिरिक्त, स्टेडियम के दाहिनी ओर एक आधुनिक इंडोर 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग रेंज विकसित की गई है, जो तकनीकी रूप से उन्नत है। इस रेंज में कुल 10 इलेक्ट्रॉनिक टारगेट स्थापित किए गए हैं। इन्हें निर्धारित दूरी और एंगल पर हरे रंग की बैकग्राउंड वाली दीवार पर लगाया गया है।प्रत्येक टारगेट को नंबरिंग से जोड़ा गया है, जिससे खिलाड़ियों की पहचान और स्कोरिंग में सुविधा होगी। यह 10 मीटर शूटिंग रेंज पूरी तरह कंप्यूटरीकृत है।फायरिंग लाइन से टारगेट तक का पूरा सेटअप इलेक्ट्रॉनिक केबल और सेंसर सिस्टम से जुड़ा हुआ है।गोली लगते ही स्कोर स्वतः कंप्यूटर सिस्टम में दर्ज हो जाएगा, जिसे लैपटॉप और बड़ी डिजिटल स्क्रीन पर तुरंत देखा जा सकेगा।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को दवा खिलाई गई

शुकुल बाजार में एनीमिया, कुपोषण रोकने विशेष अभियान

अमेठी , विकास खंड बाजार शुकुल क्षेत्र में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को पेट के कीड़ों से बचाव के लिए अलबेंदाजोल की दवा खिलाई गई। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को एनीमिया, कुपोषण और संक्रमण जैसी समस्याओं से बचाकर उनके शारीरिक व मानसिक विकास को बेहतर बनाना था। इस कार्यक्रम का नेतृत्व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बाजार शुकुल के प्रभारी डॉ. सुधीर वर्मा ने किया। स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त सहयोग से यह दवा क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी तथा निजी विद्यालयों में वितरित की गई। दवा खिलाने के साथ-साथ, स्वास्थ्य कर्मियों और शिक्षकों ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्हें हाथ धोने की सही आदत, साफ पानी पीने और खुले में शौच से बचने के तरीकों के बारे में बताया गया। अभिभावकों को जानकारी दी गई कि पेट में कीड़े होने से बच्चों में कमजोरी, खून की कमी, भूख कम लगना और पढ़ाई में ध्यान न लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

मजदूर संगठनों और बैंक कर्मचारी यूनियनों के आह्वाहन पर बैंकों में रहा हड़ताल

मजदूर-किसानों एवं बैंक कर्मियों की इस राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का सीमा पर भी रहा असर

सरकार से नीतियां वापस लेने की किया मांग

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। मजदूर संगठनों और बैंक कर्मचारी यूनियनों ने मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 12 फरवरी बृहस्पतिवार को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल किया है।इन संस्थाओं की मांग थी कि सरकार मजदूर विरोधी श्रम संहिताओं को वापस लेने, मजदूर वर्ग पर हो रहे कथित हमलों को बंद करने तथा युवाओं के रोजगार पर प्रभाव डालने वाली नीतियों को रोकने की मांग की गई है।

यूनियनों की प्रमुख मांगों में बैंकों, एलआईसी और जीआईसी के निजीकरण को रोकना, आईडीबीआई बैंक के विनिवेश के निर्णय को वापस लेना तथा बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति को रद्द करना शामिल है। इसके साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के विलय को रोकने की मांग भी की गई है।

इसके अलावा पर्याप्त भर्तियों की व्यवस्था कर युवाओं को स्थायी रोजगार देने, आउटसोर्सिंग और ठेका प्रथा को समाप्त करने तथा मजदूरों के शोषण को रोकने की मांग की गई है। यूनियनों ने नई पेंशन योजना (NPS) को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना (OPS) को बहाल करने और फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट योजना को वापस लेने की मांग भी उठाई है।अपील में कॉरपोरेट्स से बकाया और डूबे कर्ज की वसूली के लिए कड़े कदम उठाने तथा आम ग्राहकों के लिए बैंक सेवा शुल्क कम करने की मांग भी शामिल है। इस आम हड़ताल का समर्थन ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन (AIBEA), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (AIBOA), बीमा कर्मचारी महासंघ (BEFI) सहित विभिन्न मजदूर संगठनों द्वारा किया गया है।इस बंदी आह्वाहन पर भारत नेपाल सीमा पर स्थित सभी बैंक बंद रहे।

अंतरराष्ट्रीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश

10 चोरी की मोटरसाइकिले बरामद, तीन नेपाली चोर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। रूपईडीहा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए ऑटो लिफ्टर गैंग के तीन अंतरराष्ट्रीय चोरों को 10 चोरी की मोटरसाइकिलो सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है।थाना प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा रमेश सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ये कार्यवाही किया गया है। उन्होंने बताया कि रूपईडीहा पुलिस टीम ने वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह के नेतृत्व में रूपईडीहा पुलिस टीम द्वारा 11 फरवरी को कउढ चौराहा से पचपकड़ी मार्ग पर गश्त के दौरान एक

संदिग्ध मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की गई।पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम साहरूप खाँ (22 वर्ष), अरमान खाँ (21 वर्ष) तथा नवीस खाँ (42 वर्ष) निवासी डुडुवा ग्राम पालिका वार्ड संख्या 04, थाना कमदी, जिला बांके, राष्ट्र नेपाल बताया। जब उनसे मोटरसाइकिल के कागजात मांगे गए तो वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पूछताछ में उन्होंने हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (UP32MC0297) को थाना नानपारा क्षेत्र से चोरी कर नेपाल ले जाने की बात स्वीकार की।कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर जंगल में झाड़ियों के बीच छिपाकर रखी गई 9 अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। आरोपियों ने स्वीकार किया कि ये वाहन थाना नानपारा, रिसिया, रामगांव, कोतवाली नगर, कोतवाली देहात, दरगाह शरीफ, इंदिरा नगर लखनऊ, जानकीपुरम लखनऊ सहित जनपद लखीमपुर खीरी और गोण्डा से चोरी किए गए थे।पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपियों को न्यायालय सदर बहराइच भेज दिया गया है।

स्वच्छता समिति की हुई बैठक, कूड़ा पृथक्करण व नियमित उठान पर दिया गया जोर

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच।नगर पंचायत कैसरगंज के वार्ड नं. 13 ऐनी पश्चिमी में गुरुवार को स्वच्छता वातावरण प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वार्ड सभासद अब्दुल मुत्तलिब ने की। बैठक में वार्ड की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी व सुदृढ़ बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में घर-घर से गीला व सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करने, डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था को नियमित रखने तथा सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया।सभासद ने कहा कि वार्ड को आदर्श स्वच्छ वार्ड बनाने के लिए नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।सफाई सुपरवाइजर मो. जसीम ने सफाई कर्मियों को निर्देशित किया कि कूड़ा उठान समय से किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने

नियमित निरीक्षण करने की भी बात कही। जीएफसी आवधेश सिंह ने लोगों से अपील की कि वे कचरा निर्धारित स्थान पर ही दें और स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।बैठक में उपस्थित समिति सदस्यों ने स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। अंत में सभी नागरिकों से स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर वार्ड के निर्माण में सहभागिता निभाने की अपील की गई।

सीमा पर सुरक्षा को लेकर अधिकारियों की समन्वय बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

बहराइच।पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल में हो रहे आगामी राष्ट्रीय चुनाव तथा भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था, शांति एवं आपसी समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासनिक कार्यालय, बांके (नेपाल) में नेपाल-भारत सीमा जनपद स्तरीय संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों के प्रशासनिक, पुलिस, सशस्त्र बल, वन एवं सीमा शुल्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। भारत पक्ष से जिलाधिकारी बहराइच अक्षय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक आर.एन. सिंह, 42वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेंट गंगा सिंह उदावत सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि नेपाल पक्ष से बर्दिया व बाँके जिले के मुख्य जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा सशस्त्र पुलिस बल के अधिकारी

मौजूद रहे। बैठक में सीमा से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। इसमें मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब, मानव तस्करी, वन्यजीव एवं अवैध लकड़ी तस्करी की रोकथाम पर विशेष जोर दिया गया।दोनों पक्षों ने संवेदनशील एवं वन क्षेत्रों में संयुक्त गश्त बढ़ाने, रात्रिकालीन पेट्रोलिंग को प्रभावी बनाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने पर सहमति व्यक्त की। जिलाधिकारी बहराइच ने भारत-नेपाल के ऐतिहासिक मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि खुली सीमा दोनों देशों के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता को देखते हुए सतत निगरानी एवं समन्वित कार्रवाई आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक बहराइच ने सीमा पार सक्रिय आपराधिक नेटवर्क के विरुद्ध लक्षित कार्रवाई, थाना-चौकी स्तर पर नियमित संपर्क तथा एसएसबी व एपीएफ के बीच नियमित फ्लैग बैठकें आयोजित करने पर बल दिया। बैठक में आपात एवं संवेदनशील परिस्थितियों में त्वरित सूचना आदान-प्रदान एवं संयुक्त कार्रवाई की रणनीति पर भी सहमति बनी। दोनों देशों के अधिकारियों ने आपसी सहयोग को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में सम्पन्न हुई।

जरवल रोड में शिव बारात मार्ग का प्रशासनिक निरीक्षण

अधिकारियों ने लिया तैयारियों का जायजा

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। कस्बा जरवल रोड स्थित प्राचीन शिव मंदिर एवं खाकी बाबा मंदिर, जहां से प्रतिवर्ष शिव बारात का भव्य आयोजन किया जाता है, उस स्थल का प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने आयोजकों से विस्तृत वार्ता कर व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान शिव बारात के निर्धारित जुलूस मार्ग का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया। सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि कार्यक्रम सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

इस मौके पर उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी कैसरगंज, प्रभारी निरीक्षक जरवल रोड, चौकी प्रभारी सहित शिव बारात के आयोजकगण एवं अन्य संभ्रांत व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रशासन ने आयोजकों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए पारंपरिक गरिमा के साथ आयोजन संपन्न कराने की अपील की।

दो माह से ठप जियो नेटवर्क, कैसरगंज की डिजिटल लाइफलाइन ध्वस्त

हजारों उपभोक्ता बेहाल, व्यापार, पढ़ाई और बैंकिंग कार्य ठप, कंपनी पर लापरवाही का आरोप

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। तहसील मुख्यालय कैसरगंज में जियो कंपनी का मोबाइल नेटवर्क पिछले लगभग दो महीनों से बंद पड़ा है, जिससे पूरे क्षेत्र की संचार व्यवस्था चरमरा गई है। नेटवर्क ठप होने से हजारों उपभोक्ता कॉलिंग और इंटरनेट सेवा से वंचित हैं। लगातार दो माह बीत जाने के बावजूद सेवा बहाल न होने से लोगों में भारी नाराजगी व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार जियो टावर में आई तकनीकी खराबी के चलते कस्बे सहित आसपास के गांवों में सिग्नल पूरी तरह गायब है। मोबाइल फोन केवल शोपीस बनकर रह गए हैं। कॉल नहीं लग रही, इंटरनेट नहीं चल रहा और डिजिटल माध्यम से होने वाले लगभग सभी कार्य प्रभावित हैं। सबसे अधिक असर व्यापारियों और छात्रों पर पड़ा है। डिजिटल भुगतान प्रणाली बाधित होने से बाजारों में लेन-देन प्रभावित हो रहा है।दुकानदारों का कहना है कि ऑनलाइन ट्रांजेक्शन न होने से ग्राहकों को परेशानी हो रही है और व्यापार पर सीधा असर पड़ रहा है।वहीं छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन फार्म भरने, रिजल्ट देखने और पढ़ाई संबंधी सामग्री डाउनलोड करने में दिक्कतें आ रही हैं। सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं और अन्य ऑनलाइन कार्यों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। कई लोगों ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में संपर्क स्थापित करना भी कठिन हो गया है, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंता भी बढ़ गई है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि वे हर महीने नियमित रूप से रिचार्ज करा रहे हैं, जिससे कंपनी को लाखों रुपये का राजस्व प्राप्त हो रहा है, लेकिन सेवा पूरी तरह ठप है। दो महीने से नेटवर्क बंद होने के बावजूद न तो कोई वैकल्पिक टावर लगाया गया और न ही कंपनी की ओर से समस्या समाधान की समयसीमा घोषित की गई है। क्षेत्रवासियों ने जियो कंपनी के उच्च अधिकारियों और दूरसंचार विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे सामूहिक रूप से शिकायत दर्ज कराने के साथ विरोध प्रदर्शन भी करेंगे।

विष मुक्त खेती से किसान होंगे खुशहालः डॉ विनय वर्मा

किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि विभाग व वैज्ञानिक कर रहे प्रयास

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। विष मुक्त खेती को बढ़ावा देने के लिए उपनिदेशक कृषि डॉक्टर विनय कुमार लगातार प्रयास कर रहे हैं फल स्वरुप किसान विष मुक्त खेती की ओर आकर्षित हो रहे हैं और बेहतर खेती कर अपनी आय बढ़ा रहे हैं।उपनिदेशक कृषि डॉ विनय कुमार वर्मा ने विकास खंड विशेश्वरगंज की ग्राम पंचायत सुल्तान माफी एवं विकासखंड पयागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत हटवा हरदास में विकसित नेचुरल फार्मिंग मॉडल फॉर्म का निरीक्षण किया।संयुक्त कृषि निदेशक देवीपाटन मंडल गोंडा के निर्देश के क्रम में जनपद में कृषि विभाग जनपद बहराइच द्वारा नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के

अंतर्गत जिले के तीन किसानों तथा कृषि विज्ञान केंद्र बहराइच प्रथम पर नेचुरल फार्मिंग मॉडल फॉर्म विकसित किया गया है।

इस क्रम में ग्राम पंचायत सुल्तान माफी में विकसित नेचुरल फार्मिंग मॉडल फॉर्म एवं ग्राम पंचायत हवा हरदास विकासखंड पयागपुर में विकसित मॉडल फॉर्म का निरीक्षण संयुक्त रूप से उपनिदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा, कृषि विज्ञान केंद्र बहराइच के वरिष्ठ वैज्ञानिक अध्यक्ष डॉ. सीपीएन गौतम, संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी शिशिर कुमार वर्मा, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. नंदन सिंह द्वारा किया गया।इस दौरान कई किसानों के खेतों का निरीक्षण कर कृषकों को फसल सुरक्षा तकनीक की जानकारी दी गई।

उपनिदेशक कृषि डॉक्टर विनय कुमार वर्मा ने बताया कि जनपद में विष मुक्त खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है किसान विष मुक्त खेती की ओर बढ़ रहे हैं काफी संख्या में किसान विष मुक्त खेती कर अपनी आय बढ़ा रहे हैं।

इस मौके पर उपस्थित किसानों ने कृषि वैज्ञानिकों से कृषि के संबंध में विभिन्न जानकारी को साझा किया जिस पर उन्होंने किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर कृषि विभाग के साथ ही किसान भी उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन कैसरगंज चुनावः अध्यक्ष पद पर दो दावेदार मैदान में

नामांकन प्रक्रिया पूरी, कचहरी परिसर में बढ़ी चुनावी सरगर्मी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। बार एसोसिएशन कैसरगंज, बहराइच के वार्षिक चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल है। निर्धारित तिथि 12 फरवरी 2026 को नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। चुनाव समिति द्वारा प्राप्त नामांकन पत्रों के अनुसार अध्यक्ष पद पर दो प्रत्याशी आमने-सामने हैं, जिससे मुकाबला रोचक होने की संभावना है। इसके अलावा महामंत्री, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्य पदों के लिए भी कई अधिवक्ताओं ने पर्चा दाखिल किया है।नामांकन के बाद कचहरी परिसर में समर्थकों के बीच चचाओं का दौर तेज हो गया है। प्रत्याशी अपने-अपने समर्थन में अधिवक्ताओं से संपर्क साध रहे हैं। चुनाव समिति द्वारा नामांकन पत्रों की जांच के उपरांत वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी, जिसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान कराया जाएगा। अध्यक्ष पद पर सीधा मुकाबला होने से इस बार का चुनाव दिलचस्प माना जा रहा है। अधिवक्ता समुदाय में चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

कैसरगंज बार चुनाव का बिगुल बजा, नामांकन से गरमाई वकालत की राजनीति

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर/कैसरगंज,बहराइच।बार एसोसिएशन कैसरगंज की नवीन कार्यकारिणी के गठन को लेकर 12 फरवरी 2026 को विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नामांकन प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। अध्यक्ष पद के लिए विनोद कुमार सिंह (विसेन) एवं ज्ञान बाबू वर्मा के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है।वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद हेतु संतोष कुमार सिंह,हरीश चन्द्र गुप्ता व अनिल कुमार श्रीवास्तव ने नामांकन किया।महामंत्री पद पर वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय व पंकज श्रीवास्तव चुनाव मैदान में हैं।इसके अतिरिक्त मध्यम उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री सहित वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों के पदों के लिए भी कई अधिवक्ताओं ने नामांकन दाखिल किए। चुनाव अधिकारी के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच निर्धारित तिथि पर की जाएगी, जिसके पश्चात वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। बार चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सर्राफ ने रची अपनी लूट की साजिश

अमन लेखनी समाचार

अमेठी ,पुलिस ने एक सरार्फा व्यवसायी से हुई कथित लूट का खुलासा किया है।पुलिस के अनुसार, व्यवसायी रितेश मौर्या ने खुद ही अपनी लूट की साजिश रची थी। इस मामले में रितेश मौर्या सहित तीन आरोपियों, अवनीश कुमार तिवारी और अनुज दुबे को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने लूटे गए 9 लाख 60 हजार रुपये नकद और 3 किलो चांदी भी बरामद की है।पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया कि वादी रितेश मौर्या ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वे अपने मित्र के साथ टाटा पंच कार से प्रयागराज से अमेठी जा रहे थे। थाना देल्हूपुर क्षेत्रान्तर्गत गजेहड़ा जंगल के पास स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी गाड़ी रोकी। शिकायत के अनुसार, लुटेरों ने वाहन में रखा एक बैग छीन लिया, जिसमें 3 किलो चांदी और 9 लाख 60 हजार रुपये नकद थे। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी और खुलासे के लिए चार टीमें गठित की थीं। पढ़िए सर्राफ का कबूलनामापुलिस पूछताछ के दौरान, गिरफ्तार आरोपी अनुज दुबे ने बताया कि यह वही बैग था जिसे उन्होंने गाड़ी से लूटा था। उसने स्वीकार किया कि बैग में पहले से रखे पैसे और चांदी के साथ-साथ उसने एक तमंचा भी उसी में रख दिया था। अनुज दुबे ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि वे रितेश के बहकावे में आ गए थे। उसने बताया कि रितेश उर्फ पंकज पर उसकी उधारी थी। कुछ समय पहले जब उसने रितेश से अपने पैसे वापस मांगे तो रितेश ने कहा था कि अभी पैसे नहीं हैं और वह कोई योजना बनाएगा।6 फरवरी को एक-दो दिन पहले रितेश उर्फ पंकज ने अनुज को बताया कि उसने योजना तैयार कर ली है। रितेश ने कहा कि वह प्रयागराज खरीदारी करने अपनी टाटा पंच गाड़ी से जाएगा और वापसी में उसके साथ एक कारीगर रहेगा, उसी के साथ मिलकर काम को अंजाम देना है। पुलिस ने आरोपी सर्राफ को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है।

पीड़ित ने मौलाना पर लगाया जमीन पर कब्जा कर मदरसा चलाने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच।जिले के शिवपुर ब्लॉक क्षेत्र के बसंतापुर गांव निवासी अनवर अली ने जिला प्रशासन व मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर गंभीर आरोप लगाए हैं।शिकायत में कहा गया है कि उनकी भूमि गाटा संख्या 665 पर गांव के ही दो लोगों ने जबरन कब्जा कर मदरसा संचालित कर लिया है।शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त मदरसा बिना किसी पंजीकरण के चलाया जा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले भी मामले की शिकायत की गई थी, लेकिन संबंधित कर्मचारियों द्वारा कथित तौर पर गलत रिपोर्ट लगा दी गई।मामले को लेकर गुरुवार शाम लगभग 5 बजे क्षेत्रीय लेखपाल विक्की त्यागी ने बताया कि उन्हें तीन दिन पूर्व शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है और शुक्रवार को मौके पर पुनः जांच की जाएगी।जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

कार्यालय- जिला पंचायत, उन्नाव

ई-निविदा सूचना

पत्रांक-129/सा०नि०/जि०पं० उ०/2025-26 दिनांक 12/2/26

उत्तर प्रदेश की समस्त जिला पंचायतों, लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश व सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से ई-निविदा दिनांक 23.02.2026 को अपरान्ह 5:00 बजे से दिनांक 06.03.2025 को अपरान्ह 5:00 बजे तक ई-निविदा की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती हैं, जिनके हेतु प्राप्त बिड्स दिनांक 09.03.2025 को अपरान्ह 1:30 बजे से अपर मुख्य अधिकारी, कार्यालय कक्ष में उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोली जायेंगी।

विस्तृत विवरण ई०निविदा की वेबसाइट www.etender.up.nic.in व unno.up.nic.in पर अथवा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय के नोटिस बोर्ड व कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

(अक्षय कुमार)
अभियन्ता
जिला पंचायत, उन्नाव

(ओम प्रकाश सिंह)
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, उन्नाव

(शकुन सिंह)
अध्यक्ष
जिला पंचायत, उन्नाव।

संक्षेप

घटिया सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

म्योरपुर, सोनभद्र। म्योरपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत नौडीहा अंतर्गत कटौली गांव में निमार्णाधीन सड़क में मानकों की अनदेखी को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। सड़क बनते ही उखड़ने लगी, जिससे नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर विभाग और कार्यदाई संस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी दर्ज कराई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा है। रामचंद और रामबली ने आरोप लगाया कि घटिया गिट्टी और सामग्री डालने के कारण सड़क निर्माण के साथ ही उखड़ने लगी है, जिससे इसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हैं और ठेकेदार मनमानी कर रहा है।इसी तरह सांगोबांध के शिव मंदिर मार्ग पर बन रही सड़क की गिट्टी भी उखड़ने लगी है। मौके पर मौजूद नौडीहा क्षेत्र पंचायत सदस्य मंजू देवी ने घटिया निर्माण की पुष्टि करते हुए जिलाधिकारी से जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई और मानक के अनुसार सड़क निर्माण कराने की मांग की।मामले में अवर अभियंता रामाश्रय राम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। प्रदर्शन में रवि कुमार, राम औतार, बाल गोविंद, सुगिया, भगमनिया, रामवृक्ष आदि मौजूद रहे।

खतरनाक मोड़ पर आएनि हो रहे हादसे

म्योरपुर,सोनभद्र। म्योरपुर विकासखंड के मुर्धवा-बीजपुर मार्ग के ग्राम पंचायत रनटोला के यात्री सेड से 100 मीटर आगे खतरनाक मुड़ान पर आएदिन सड़क हादसे हो रहे हैं। मुर्धवा-बीजपुर मार्ग के इस खतरनाक मोड़ पर न तो मजबूत रेलिंग है और न ही गड्ढे को भरा गया है। कुछ दिन पूर्व इस मोड़ पर ट्रेन के इंजन का लाबी ले जा रहा ट्रेलर यही पर बड़े गड्ढे में जा फंसा था। गनीमत यही रही कि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई।स्थानीय ग्रामीण ने बताया कि इस मोड़ पर आएदिन गाड़िया गड्ढे में गिर जाती हैं।खासकर रात के समय में ड्राइवरों को बहुत ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।रात के समय में रोड के पास लाइट न होने से चालकों को अच्छे से रोड नहीं दिखका, जिससे वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं।

578 टीम में शामिल कर्मी घर-घर पहुंच कर खिला रहे अल्बेन्डाजोल की दवा

सोनभद्र। करमा ब्लाक के उच्च प्राथमिक विद्यालय केकराही में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मुलन कार्यक्रम के तहत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन-आइवरमैक्टिन ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए-आईडीए) अभियान का शुभारम्भ मुख्य चिकित्साधिकारी डा. पीके राय ने अभियान के नोडल अधिकारी डा. प्रेमनाथ अपर मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ संयुक्त रूप से दवा का सेवन करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र केकराही के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. गुरू प्रसाद ने फाइलेरिया रोग के बारे में बच्चों को अवगत कराया। जिला मलेरिया अधिकारी सोनभद्र धर्मेन्द्र नारायण श्रीवास्तव ने बताया कि जनपद में फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 2 ब्लाक केकराही व घोरावल में आज से 28 फरवरी तक एमडीए-आईडीए अभियान चलाया जा रहा है।

कार में शव रखकर 2 घंटे घूमते रहे डॉक्टर

प्रयागराज में गलत इंजेक्शन लगाने से प्रेग्नेंट महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , एक प्राइवेट क्लिनिक में 3 माह की प्रेग्नेंट महिला की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगा दिया, जिससे कुछ ही देर में उसकी जान चली गई। मौत के बाद डॉक्टर ने महिला के घरवालों से बताया कि इंजेक्शन लगाने से महिला बेहोश हो गई है। उसे इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ले जा रहे हैं। इसके बाद डॉक्टर और उसके घरवाले शव को कार में रखकर क्लिनिक से निकल गए। करीब दो घंटे तक वे शहर में इधर-उधर घूमते रहे। इधर, महिला के घरवालों को जब संदेह हुआ तो उन्होंने लोकेशन मांगकर कार का पीछा किया। परिजनों ने कार को पकड़ लिया। फिर कार को सीधे पुलिस चौकी ले गए। रात करीब 11 बजे तक पुलिस चौकी पर हंगामा चलता रहा। इसी दौरान डॉक्टर कार में शव छोड़कर भाग गया। बाद में महिला के परिजन कार सहित शव को घर ले गए। घटना की जानकारी फैलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजनों और ग्रामीणों ने सुबह हंगामा शुरू कर दिया। खबर पाकर पुलिस अधिकारी पहुंच गए। परिवार के लोगों ने 5 घंटे तक शव को उठाने नहीं दिया। पुलिस परिवारवालों को समझा रही है। पूरा मामाल फूलपुर थाना क्षेत्र का है। फूलपुर थाना क्षेत्र के नरई गांव में डॉ. सुखदेव का क्लिनिक है। यहां डॉ. सुखदेख, उनकी पत्नी डॉ. मीरा और बेटी डॉ. दीप शिखा, दीप शिखा का पति डॉ. सुभाषचंद्र चारों ही मरीजों का इलाज करते हैं। पड़ोस के गांव आटा की रहने वाली अंगूरा देवी (25) पति राजाराम 3 माह की गर्भवती थी। पति राजाराम ने कहा- मेरी पत्नी अंगूरा देवी के पेट में बुधवार शाम को दर्द हो रहा था। घर में कोई था नहीं तो वह अकेले ही क्लिनिक पर दवा लेने चली गई। वहां डॉक्टरों ने उसका चेकअप किया। इसके बाद गलत इंजेक्शन लगा दिया। रात करीब 7.30 बजे इंजेक्शन लगाने से अंगूरा की मौत हो गई। फिर डॉ. मीरा ने मुझे फोन कर बताया कि इंजेक्शन लगाने से अंगूरा बेहोश हो गई है। हम उसे लेकर दूसरे अस्पताल जा रहे हैं।

कार में शव डालकर ले गए

राजाराम का कहना है कि सूचना मिलते ही मैं अस्पताल के लिए निकला। वहां पहुंचकर देखा तो अंगूरा क्लिनिक में नहीं थी। पूछताछ की तो पता चला कि डॉ. मीरा और उनके पति डॉ. सुभाष अंगूरा को कार से लेकर गए हैं। राजाराम ने बताया कि फोन पर बात कर हम लोग भी अपनी कार से पीछे गए।

गुमशुदा युवक का शव जंगल के एक नीम के पेड़ पर मिला लटका

क्षेत्राधिकारी समेत फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पहुंचकर की छानबीन

अमन लेखनी समाचार

समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव सरहन बुजुर्ग के मजरे बरमपुर गांव के समीप जंगल में किसान मनोज प्रजापति के खेत में खड़े नीम के पेड़ में एक नाबालिक युवक का शव लटकता हुआ मिला संदिग्ध हालत में लटके युवक के शव को खेत पहुंची महिलाओं ने देखा तथा शोर मचाया शोरगुल सुनकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे तथा स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना दी सूचना पाते ही चौकी प्रभारी अमौली दिग्विजय सिंह समेत पुलिस बल मौके पर पहुंचा जहां युवक के सिनाख्त 15 वर्षीय रामायण पुत्र जुगुल किशोर निषाद निवासी गांव क्योंटरा के रूप में की गई मिली जानकारी के अनुसार युवक विगत 9 फरवरी की रात से गुमशुदा था जहां पिता ने 10 फरवरी को नजदीकी थाना एवं अमौली चौकी में लिखित सूचना देकर गुमशुदगी दर्ज कराई थी मृतक की सिनाख्त बड़े भाई गया प्रसाद द्वारा की गई उन्होंने बताया कि मृतक रामायण अमौली कस्बे के नंदनी के गेस्ट हाउस में बेटर के रूप में कार्य करता था घटना की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया वहीं मां कमला बहन फूलकुमारी मिथलेश पिता जुगुल किशोर आदि का रो-रोकर बुरा हाल था सूचना पाकर पहुंचे क्षेत्राधिकारी जाफरगंज बृजमोहन राय तथा थाना प्रभारी चांदपुर विनोद कुमार पटेल ने घटनास्थल का जायजा लिया वहीं पहुंची फोरेंसिक टीम ने जांच प्रारंभ की थाना प्रभारी ने बताया की युवक का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है जांच रिपोर्ट आने के पश्चात परिजनों की तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

शिक्षा का मंदिर बना जिला कारागार

राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में रिमांड की शूटिंग

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , इंचौली थाना क्षेत्र के कस्बा लावड़ स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज इन दिनों चर्चा में है। आरोप है कि कॉलेज परिसर में फिल्म 'रिमांड' की शूटिंग बिना विधिवत अनुमति के कराई जा रही है। शूटिंग के लिए कॉलेज को अस्थायी रूप से जिला कारागार का रूप दे दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों और अभिभावकों में हैरानी और नाराजगी है। शूटिंग के कारण कॉलेज में बाहरी लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर बाउंसर तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही, मीडियाकर्मियों को कॉलेज परिसर में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं और विवाद को दबाने के प्रयास का आरोप लग रहा है। स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने इस गतिविधि पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि एक शिक्षण संस्थान में ऐसी गतिविधियां बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा दोनों को प्रभावित कर सकती हैं। अभिभावक मांग कर रहे हैं कि यदि शूटिंग की अनुमति है, तो उसके दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं। बिना अनुमति काम होने की स्थिति में जिम्मेदारी तय करने का सवाल भी

उठ रहा है। फिलहाल, प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से इस मामले पर कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था, नियमों के पालन और मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर तरह-तरह की चचाएं तेज हो गई हैं।

असलम हत्याकांड में असद पर 25 हजार का इनाम

असद ने मारी थी गोली, पांच दिन बाद भी पुलिस पकड़ से दूर चल रहे हत्यारोपी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , जैदीफार्म निवासी असलम की हत्या के मुख्य आरोपी असद पर एसएसपी अविनाश पांडेय की तरफ से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इनाम की घोषणा के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में सरगरमी से जुट गई है। इस मामले में कुल 11 आरोपी नामजद हैं, जिनमें से केवल एक ही गिरफ्तार हो पाया है। पांच दिन बाद भी पुलिस मामले में खाली हाथ है, जिसको लेकर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं।दोस्त शोएब संग खड़ा था असलम वारदात वाले दिन असलम जैदी फार्म की गली नंबर चार के बाहर अपने दोस्त शोएब के साथ खड़ा बात कर रहा था। इसी दौरान हमला हो गया। चार से पांच गोली असलम को लगी और वह जमीन पर गिर गया। शोएब के कंधे में भी एक गोली लग गई। हमलावर भाग निकले। आनन फानन में दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से असलम की नाजुक हालत को देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया। रात में असलम की मौत हो गई, जिसके बाद तनाव बढ़ता चला गया।

मुकदमे में 11 को किया गया नामजद

देर रात ही असलम के पिता मोहम्मद इमरान की तरफ से मुकदमा दर्ज किया गया, जिसमें आहद पुत्र शमीम, असद, रिहान, तारिक, राशिद, शमी पुत्रगण अमीर अहमद के अलावा इस्माइल पुत्र शमीम, समीर उर्फ मोटा बवानिया पुत्र सलीम, अमीर अहमद पुत्र इशाक, चंदन पुत्र इशाक और आमना पुत्र शमीम को नामजद किया गया था। वारदात के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। तनाव को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया।आरोपी घर बंद कर हुए फरार असलम के पिता की तरफ से जितने लोगों को नामजद किया गया था, उनमें से पुलिस के हाथ केवल एक आरोपी समीर उर्फ मोटा ही आ पाया है, जिसे वह पहले ही जेल भेज चुकी है। उसके अलावा सभी आरोपियों के घरों पर ताले पड़े हैं। पुलिस के अलावा असलम पक्ष के द्वारा भी निगरानी कराई जा रही है। इसको देखते हुए पुलिस अलर्ट है।इस मामले में अब पुलिस ने अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

किनौनी चीनी मिल को गन्ना मूल्य भुगतान का निर्देश

जिलाधिकारी ने एक सप्ताह में भुगतान न होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, जिलाधिकारी ने आज पेराई सत्र 2025-26 के लिए चीनी मिलों पर देय गन्ना मूल्य और अंशदान भुगतान की समीक्षा की। इस दौरान किनौनी चीनी मिल की भुगतान स्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मिल के अध्यासी को बकाया गन्ना मूल्य और अंशदान का भुगतान एक सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया गया जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि किनौनी चीनी मिल एक सप्ताह के अंदर बकाया भुगतान नहीं करती है, तो जिला गन्ना अधिकारी मेरठ को मिल क्षेत्र के पेराई योग्य गन्ने को मेरठ की अन्य चीनी मिलों को भेजने का प्रस्ताव तैयार करने और वसूली प्रमाण-पत्र जारी करने की संस्तुति भेजने का निर्देश दिया जाएगा। बैठक में मोहिउद्दीनपुर चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक को भी पेराई सत्र 2025-26 के बकाया गन्ना मूल्य और अंशदान का तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह, सिम्भावली चीनी मिल के प्रतिनिधि को पेराई सत्र 2024-25 और 2025-26 के तहत मेरठ की गन्ना समितियों से खरीदे गए गन्ने के बकाया मूल्य और अंशदान का तुरंत भुगतान करने का आदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त, मेरठ जिले की चीनी मिलों के प्रतिनिधियों को विगत तीन वर्षों में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) मद में खर्च की गई धनराशि का विवरण उपलब्ध इस समीक्षा बैठक में जिला गन्ना अधिकारी मेरठ और सभी संबंधित चीनी मिलों के अध्यासी-प्रधान प्रबंधक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर- सिद्धि सागर एकेडमी, ललितपुर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन द्वारा बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि एल्बेंडाजोल के सेवन से कृमि संक्रमण से बचाव होता है, यह दवा पूर्णतयाः सुरक्षित है। इसका कोई दुश्प्रभाव नहीं है। उन्होंने बेहिचक दवा का सेवन करने की अपील की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 इम्तियाज अहमद ने बताया कि कृमि के कारण बच्चों में कुपोशण, एनीमिया और विकास में रूकावट आदि समस्याएं हो सकती हैं। जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) कार्यक्रम के अन्तर्गत सरकारी स्कूलों, निजी विद्यालयों, आंगनबाडी केंद्रों में एक से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेडाजोल खिलाई जा रही है। एक से दो साल के बच्चों को टेबलेट का चूरा कर पानी के साथ खिलाया जाएगा। बड़े बच्चों को दवा चबा चबाकर खानी हैं उन्होंने कहा कि बीमार बच्चे को कृमि मुक्ति की दवा नहीं खिलाई जाएगी। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी/नोंडल अधिकारी (एनडीडी) डा0 प्रदीप सिंह यादव ने बताया कि 01 से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिए एल्बेंडाजोल को गोली खिलाई जायेगी। पब्लिक हैल्थ स्पेषलिस्ट, डॉ0 सौरभ सक्सेना ने कृमि संक्रमण से होने वाले दुश्प्रभाव, बच्चों के स्वास्थ्य पर इसके असर तथा दवा सेवन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि बच्चों के पेट में कीड़े होने पर षरीर में खून की कमी हो जाती है और षरीर कुपोशित हो जाता है, इससे सम्पूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास नहीं हो पाता है। उन्होंने खाने से पहले और शौच के बाद अपने हाथ साबुन से धोने, साफ और स्वच्छ पानी पीने की सलाह दी तथा हाथ धोने के सही तरीके का प्रदर्षन किया। उन्होंने बताया कि जो बच्चे आज एल्वेंडाजोल की दवा खाने से वंचित रह गये है उन्हें 13 फरवरी, 2026 को मॉपअप दिवस के अवसर पर दवा खिलाई जाएगी।

इस मौके पर सिद्धि सागर एकेडमी के चैयरमेन भूपेन्द्र जैन, प्रधानाचार्या श्रीमती रीता जैन, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 षिवप्रकाष, चिकित्सा अधिकारी डा0 राजेश भारती जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एन0एच0एम0) श्रीमति रजिया फिरोज, मातृ एवं स्वास्थ्य परामर्षदाता रविषंकर झा, एस0एम0ओ0डब्ल्यू0एच0ओ0 डॉ0 सुमित बघेल, जयेष बादल जिला समन्वयक एविडेन्स एक्षन ललितपुर, डी0एम0सी0 (यूनीसेफ) सबा परवीन एवं सिद्धि सागर एकेडमी के शिक्षक तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

कारोबारी से 21 लाख लूटने वाले 2 दरोगा सस्पेंड

मेरठ में रंगदारी मांगने की मुकदमा दर्ज ; दोनों अंडरग्राउंड हुए, एसएचओ भी नपे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , यूपी पुलिस के 2 दरोगा ने सूत कारोबारी से 21 लाख रुपए लूट लिए। मामला बड़े अफसरों तक पहुंचा, तो जांच एसपी सिटी को सौंप दी गई। जांच में आरोप सही मिले। इसके बाद एसएसपी अविनाश पांडेय ने दोनों दरोगा को सस्पेंड कर दिया। साथ ही रंगदारी मांगने समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं, रलड लोहियानगर योगेश चंद्र के खिलाफ भी विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। मामला लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र का है। इस्लामाबाद रिक्शा रोड निवासी रासिख पुत्र स्व. इदरीश की दक्षिणी इस्लामाबाद में एमएसआरएस टैक्सटाइल नाम की फर्म है। नौचंदी के पास से अपनी दुकान से लौट रहे थे। आजाद रोड पर एक कार आकर रुकी। इसमें दो पुलिस दरोगा मौजूद थे। आरोप है कि एक दरोगा नीचे उतरा और उसने जबरन रासिख को गाड़ी में डाल लिया। धमकाते हुए कहा कि फंडिंग करता है। तेरे पर रासुका लगाएंगे। दोनों दरोगा उसे हापुड़ ले गए रासिख ने बताया- दोनों दरोगा उसे हापुड़ ले गए। उस पर हवाला का पैसा मंगाकर फंडिंग करने का आरोप लगाया। रास्ते भर उसे बुरी तरह टार्चर किया, जिससे उसकी तबियत बिगड़ने लगी। हापुड़ ले जाकर गोली मारने की धमकी दी और वीडियो बनाते हुए जबरन कहलवाया कि उसके मोबाइल में विदेशी खाते मिले हैं। उसे गोली मारने की धमकी दी गई, जिससे वह बुरी तरह डर गया। 50 लाख रुपये लाने का बनाया दबाव रासिख दहशत में था। दोनों दरोगाओं ने उस पर तत्काल 50 लाख रुपये की व्यवस्था करने का दबाव बनाया। कहा- रकम आते ही छोड़ देंगे। नहीं तो गोली मारकर जेल भेज देंगे। रासिख ने कहा कि इतनी बड़ी रकम की एकाएक व्यवस्था करना संभव नहीं है। इसके बाद दोनों दरोगाओं ने 20 लाख रुपये की डिमांड कर दी। रासिख ने अपने बहनोई नईम को फोन किया और रुपये लेकर आने के लिए कहा। कार में बंधक बनाकर रखा गया रासिख को दोनों दरोगाओं ने कार में ही बंधक बनाकर रखा और अपनी कार अलीपुर चौराहे पर सुनसान जगह पर खड़ी कर दी। नईम अपने रिश्तेदार के साथ 14 लाख रुपये लेकर मौके पर पहुंचे और बैग दोनों दरोगाओं को थमा दिया। 6 लाख रुपये कम बताकर जल्द व्यवस्था करने की बात कहते हुए दोनों दरोगा रासिख को वहीं छोड़कर चले गए। अगले दिन छह लाख लेकर फिर बुलाया रासिख के साथ हुई वारदात से पूरा परिवार दहशत में था। 9 दिसंबर की दोपहर फिर दरोगा का फोन आया। इस बार दरोगा ने छह लाख रुपये लेकर अलीपुर के जंगल बुलाया।

एम एल के पी जी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर चल रही बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा का माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

बलरामपुर/मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर से सम्बद्ध एम एल के पी जी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर चल रही बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रवि शंकर सिंह ने निरीक्षण किया। परीक्षा में कुल 500 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 32 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर परीक्षा केंद्र पर मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कॉलेजों के बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 09 फरवरी से प्रारंभ हुई है। मंगलवार की सुबह महाविद्यालय परीक्षा केंद्र का कुलपति प्रो0 रवि शंकर सिंह ने केंद्राध्यक्ष प्रो0 अरविन्द द्विवेदी, ऑब्जर्वर प्रो0 अरुण कुमार सिंह, प्रो0 वीणा सिंह के साथ निरीक्षण किया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय के निमार्णाधीन परिसर का किया निरीक्षण

एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम में लिया भाग स्वस्थ, शिक्षित और विकसित भारत के लक्ष्य पर जोर

अमन लेखनी समाचार

बलरामपुर/ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय, बलरामपुर के निमार्णाधीन परिसर का निरीक्षण करने पहुंचीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित कुलाधिपति वाटिका में मौलिसरी का पौधरोपण किया। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में निमार्णाधीन सरोवर का नामकरण कुलाधिपति सरोवर के रूप में किया गया। राज्यपाल महोदया ने प्रशासनिक भवन, अकादमिक भवन, कुलपति आवास सहित अन्य निमार्णाधीन संरचनाओं का स्थलीय निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। राज्यपाल महोदया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण किए जाएं तथा विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा के एक सशक्त केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। इसके उपरांत राज्यपाल महोदया ने कलेक्ट्रेट में एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए कैंप में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बेटियों को स्वस्थ रखने के लिए सरकार द्वारा विशेष अभियान चलाकर एचपीवी वायरस के विरुद्ध टीकाकरण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 9 से 14 वर्ष की आयु की बच्चियों को एचपीवी टीके की दो डोज लगाए जाने से वे लगभग 95 प्रतिशत तक सुरक्षित रह सकती हैं। यह टीका 26 वर्ष की आयु तक लगाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में इंडस्ट्री एवं निजी कंपनियों का सहयोग भी प्राप्त किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने परिवारों से अपील की कि वे जागरूक बनें और अपनी बच्चियों का टीकाकरण अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि 3 वर्ष का बच्चा अनिवार्य रूप से आंगनबाड़ी जाए तथा 6 वर्ष का बच्चा विद्यालय अवश्य जाए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा जब कोई भी बच्चा न तो बीमार रहे और न ही अशिक्षित। उच्च शिक्षा में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशन में शिक्षा व्यवस्था को अधिक लचीला बनाया गया है, जिससे अब विद्यार्थी फिजिक्स के साथ संगीत और केमिस्ट्री के साथ भाषा जैसे विषयों का भी अध्ययन कर सकते हैं। राज्यपाल ने एक अभिभावक के रूप में बच्चियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपना मार्ग स्वयं तय करें

बालिकाएं इस देश का भविष्य हैं आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही देश विकास करेगा - शिवपाल सिंह यादव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रखर समाजवादी स्व0 हीरालाल यादव जी के 96वें जन्मदिवस व हीरालाल यादव ग्रुप ऑफ ऑफ कालेजेज का 29वें स्थापना दिवस/वार्षिकोत्सव का आयोजन अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ किया गया। हीरालाल यादव की स्मृति में हीरालाल यादव ग्रुप ऑफ कालेजेज वर्ष- 1996 से लगातार शिक्षा के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव एवं विशिष्ट अतिथि चितरंजन महापात्रा डी0आई0जी0, ग्रुप सेन्टर सी0आर0पी0एफ0, लखनऊ, श्यामलाल पाल प्रदेश अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी, राम सिंह पटेल विधायक, श्याम किशोर यादव पूर्व विधायक, डी0जी0 सिंह शिक्षाविद, चेयरमैन राम सिंह यादव, प्रबन्ध निदेशक इं0 अनुराग, निदेशिका इं0 तनुष्का द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। सर्वप्रथम सरस्वती वन्दना और सर्वधर्म प्रार्थना हीरालाल यादव बालिका इण्टर कॉलेज के बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई। चेयरमैन राम सिंह यादव ने अपने स्वागत भाषण मे कहा कि वे अपने पिता जी के आदर्शो का पालन करते हुए अपने समस्त शैक्षणिक संस्थानो को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। तत्पश्चात मुख्य अतिथि शिवपाल सिंह यादव द्वारा विद्यालय समूह के मेधावी छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिसमें हीरालाल यादव पब्लिक स्कूल, गौरी सी0बी0एस0ई0 बोर्ड की इण्टरमीडियट टॉपर आयुष यादव 97 प्रतिशत, हाईस्कूल टॉपर अंशिका शर्मा 97 प्रतिशत, हीरालाल यादव पब्लिक स्कूल, बेंती सी0बी0एस0ई0 बोर्ड की हाईस्कूल टॉपर देवांशी मिश्रा 95 प्रतिशत, हीरालाल यादव बालिका इण्टर कालेज हाईस्कूल टॉपर सोफिया परवीन 87.6 प्रतिशत, यू0पी0 बोर्ड की इण्टरमीडियट टॉपर शिवानी 86.2 प्रतिशत को टैब, साईकिल, मेडल, प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में

डी0एल0एड0 (बैच 2022-24) की कुशुम यादव 89.5 प्रतिशत, एम0ए0 गृहविज्ञान की रीना चौरासिया 83.92 प्रतिशत, एम0ए0 हिन्दी की वर्षा मिश्रा 83.38 प्रतिशत, बी0ए0 की सिद्धी कुशवाहा 80.4 प्रतिशत, बी0एड0 की श्वेता सिंह 79.06 प्रतिशत, बी0कॉम0 की आँचल यादव 79 प्रतिशत, एम0ए0 समाजशास्त्र की मोनिका सिंह चौहान 78.13 प्रतिशत, एम0कॉम0 की प्रियंका सिंह 73.96 प्रतिशत, बी0बी0ए0 की मुस्कान यादव 71.50 प्रतिशत, बी0एससी0 से साक्षी पटेल 69.10 प्रतिशत, हीरालाल यादव मेमोरियल ट्रस्ट ऑफ एजूकेशन की बी0एससी0 (कृषि) की सिया कश्यप 82.9 प्रतिशत, बी0ए0 से शिवांग सिंह 65.1 प्रतिशत, हीरालाल यादव लॉ कालेज के एलएल0बी0 त्रिवर्षीय में ज्योति शुक्ला 74.44 प्रतिशत, एलएल0बी0 पंचवर्षीय में यश गुप्ता 82.40 प्रतिशत, हीरालाल लॉ कालेज बेंती एलएल0बी0 त्रिवर्षीय में दिपिका मिश्रा 71.69 प्रतिशत, हीरालाल यादव कालेज ऑफ फामेर्सी के डी0फार्मा0 की छात्रा सुषमा यादव 68.87 प्रतिशत को स्मार्ट वॉच, मेडल, प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। हीरालाल यादव पब्लिक स्कूल, बेंती, सरोजनी नगर, लखनऊ से 63 छात्र-छात्राओं का चयन यू0पी0 सैनिक स्कूल एवं 13 छात्र-छात्राओं का चयन राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में हुआ है उन सभी को सम्मानित किया गया। मा0 श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब इस देश का भविष्य है आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही देश विकास करेगा। आपके आने वाले जीवन के लिए बहुत सारी शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद। इस अविस्मरणीय अवसर पर संस्थापक प्रबन्धक श्याम किशोर यादव एवं राम सिंह यादव द्वारा अपने परम पूज्य पिता श्रद्धेय श्री हीरालाल यादव द्वारा बालिका क्षेत्र में अतुलनीय कार्यो को स्मरण किया गया। मुख्य अतिथि शिवपाल सिंह यादव एवं विशिष्ट अतिथि चितरंजन महापात्रा , श्यामलाल पाल को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी शाखाओं के प्राचार्य/प्राचार्या एवं प्रधानाचार्यो में डॉ0 अनामिका श्रीवास्तव, डॉ0 संजीव कुमार, डॉ0 चित्रा त्रिपाठी, सुश्री प्रतिभा पाण्डेय, श्रीमती पूनम श्रीवास्तव, सुश्री यामिनी तिवारी, श्रीमती नीतू रस्तोगी उपस्थित रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन हीरालाल यादव बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा होली नृत्य से किया गया। कार्यक्रम के अन्त में डिग्री कालेज की प्राचार्या डॉ0 अनामिका श्रीवास्तव के द्वारा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में हीरालाल समूह के विविध संस्थाओं के सभी पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन सविता, रागिनी मिश्रा, यामिनी तिवारी के द्वारा किया गया।

सपा नेता पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप, तीन पर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र स्थित महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में गुरुवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब मिजार्गंज निवासी एक युवक अपने दो साथियों के साथ विद्यालय परिसर में जबरन घुस आया। आरोप है कि युवक ने प्रधानाचार्य और शिक्षकों के साथ अभद्रता करते हुए धक्का-मुक्की की तथा जान से मारने की धमकी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार त्रिपाठी ने मलिहाबाद थाने में दी तहरीर में बताया कि गुरुवार दोपहर मलिहाबाद कस्बा निवासी रिक्की गुप्ता अपने दो अज्ञात साथियों के साथ बिना अनुमति विद्यालय परिसर में दाखिल हुआ। आरोप है कि उसने शिक्षकों के सामने अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया और विरोध करने पर प्रधानाचार्य के साथ धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट की कोशिश की। प्रधानाचार्य के अनुसार, जाते समय आरोपी ने धमकी दी कि ह्लअभी और लोगों को लेकर आता हूं, तुमको देख लूंगा।ह्व आरोप है कि उसने मेज पर रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज फाड़ने का प्रयास किया तथा आगामी बोर्ड परीक्षाओं को सुचारु रूप से संचालित न होने देने की चेतावनी भी दी। तहरीर में यह भी उल्लेख है कि आरोपी स्वयं समाजवादी पार्टी का नेता है। घटना के बाद विद्यालय स्टाफ में दहशत का माहौल है। शिक्षकों ने विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रधानाचार्य की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी रिक्की गुप्ता व दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

दो दिनों से राशन वितरण का सर्वर ठप होने से कार्डधारक परेशान

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय(झाँसी)- नगर क्षेत्र में पिछले दो दिनों से राशन की दुकानों का सर्वर ठप पड़ा हुआ है, जिससे सैकड़ों कार्डधारक राशन से वंचित हो रहे हैं। गुरुवार 12 फरवरी को भी लोग कई बार दुकानों के चक्कर काटते देखे गए, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। कार्डधारकों का कहना है कि वे लगातार दुकान पर आ रहे हैं, लेकिन सर्वर न होने की वजह से राशन नहीं मिल पा रहा। इस स्थिति का सबसे ज्यादा असर दिहाड़ी मजदूरों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर पड़ा है। राशन न मिलने से उनके सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। वहीं कोटेदार भी इस स्थिति से बेहद परेशान हैं। वही कोटेदारों ने बताया, ₹सर्वर न आने के कारण हम खुद भी असहाय महसूस कर रहे हैं ।लाभार्थियों को राशन न दे पाने की वजह से रोजाना विवाद और नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। विभाग की ओर से भी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है।₹ इस दौरान कई स्थानों पर कार्डधारकों और कोटेदारों के बीच कहासुनी की घटनाएं भी हुईं, जिससे माहौल तनावपूर्ण होता जा रहा है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से एक वृद्ध की मौत

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां (हरदोई) कस्बे की लाला बाजार से घर लौट रहे एक वृद्ध को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मल्लावां कोतवाली के भिंठाई निवासी मंगल उम्र 67 वर्ष पुत्र मिश्रिलाल जो खेती किसानी का काम करते है। गुरुवार को घर से साईंकिल से लाला बाजार गए थे जहां से प्याज की बेल लेकर वापस घर लौट रहे थे। तभी कजीपुर जाने वाले अंडर पास को साईंकिल पैदल लेकर मुडे थे। इसी बीच तेज रफ्तार से मल्लावां से माधौगंज की ओर जा रहा एक अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी जिसमें उनकी दर्दनाक मौत हो गई। वहीं चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना जैसे ही परिजनों को मिली तो कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के तीन पुत्र और तीन पुत्री है।

खेत गई महिला की धारदार हथियार से हत्या, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के अमिरता गांव में खेत गई महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। अमिरता निवासी श्रीदेवी (45) बृहस्पतिवार को दिन में अपने खेत में प्याज की पौध लगाने गई थी। साथ में दो बच्चे भी गए थे। दोनों बच्चे खाना खाने के लिए घर चले गए थे। वापस आने पर श्रीदेवी खेत में नहीं मिली इसकी जानकारी बच्चों ने परिजनों को दी। परिजनों ने तलाश की, तो पडोस में ही स्थित गेहूं के खेत में श्रीदेवी का शव पड़ा मिला। धारदार हथियार से कान के पास वार कर उनकी हत्या की गई है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। खुलासे के लिए दो टीमों का गठन किया गया है।

कृष्ण जन्म की कथा सुनकर भाव विभोर हुए श्रोतागण

बधाई गीतों पर जमकर नाचे भक्त ,भक्तिमय हुआ वातावरण

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। श्रीराम राजा सरकार सिद्धपीठ हनुमान जी महाराज मंदिर प्रांगण कचीर में चल रही सप्तदिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिवस कृष्णजन्म की कथा का वर्णन किया गया। नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की धुन से वातावरण भक्तिमय हो गया। माखन मिश्री एवं दूध दही के वितरण के साथ भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। वृन्दावन धाम से पधारीं कथा वाचिका बालव्यास पूजा पाठक ने नंद महोत्सव की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान कृष्ण साक्षात ब्रम्ह का अवतार है। विभिन्न देवी देवताओं ने ब्रजमंडल में भगवान की लीलाओं में सहयोग करने के लिए अवतार लिया और भगवान ने बाल लीलाओं का सुख प्रदान करने एवं नन्द यशोदा के पूर्व जन्म में किए गए तप के फलस्वरूप मिले वरदान को पूर्ण करने के लिए ब्रजमंडल में अवतार लिया और अपनी बाल लीलाओं का आनंद ब्रजवासियों को दिया। कृष्ण जन्म उत्सव पर कथाव्यास द्वारा गाए गए बधाई गीतों

पर भक्तों ने जमकर नृत्य किया। कथाव्यास ने कहा कि जब पृथ्वी पर पाप ,अधर्म और अत्याचार बढ़ जाता तब भगवान अवतार लेकर पापियों का नाश करते है। कंस जैसे अत्याचारी राक्षसों का संहार करने के लिए भगवान कृष्ण ने जन्म लिया। श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन समस्त ग्रामवासियों एवं रामराजा सरकार कमेटी के सौजन्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कुंवर प्रतिपाल सिंह (रामजी परिहार डुमरई) ,लोचन सिंह परिहार डुमरई,एड० दीपेंद्र सिंह परिहार डुमरई, एड० वीरेंद्र सिंह यादव ककरवई, सौरभ पाठक, मनीष दाऊ, मेघनाथ सिंह खांगर प्रदेश सचिव (स०पा०), संतोष सिंह ,वीरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे ।सभी अतिथियों ने कथा का श्रवण करते हुए व्यास पीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। कुं० रामजी परिहार ने इस धार्मिक आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। इस अवसर पर पंडित दिनेश तिवारी (पुजारी)दुर्गेश गौतम (महंत) सहित कमेटी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी भक्त मौजूद रहे।

बलेहरा हत्याकांड का पर्दाफाश: पुलिस ने तीन हत्यारोपियों को दबोचा, भाला और लाठियां बरामद

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद के बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम बलेहरा में हुए सनसनीखेज अक्षय सिंह हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात को अंजाम देने वाले तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त घातक हथियार भी बरामद किए हैं ।बता दें कि बलेहरा गांव के रहने वाले अक्षय सिंह की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने अक्षय के पेट में भाला घोंपकर उसे मौत के घाट उतार दिया था। इस सनसनीखेज वारदात के बाद से ही गांव में तनाव और पुलिस पर आरोपियों की गिरफ्तारी का भारी दबाव था ।पुलिस अधीक्षक के निदेर्शों पर सक्रिय हुई बेहटा गोकुल पुलिस ने दबिश देकर बलेहरा निवासी अजीत सिंह उर्फ पिंकू, जगदीश और पुष्पा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए दो भाले और लाठियां भी बरामद की हैं। पुलिस द्वारा की गई इस त्वरित कार्रवाई से मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। पुलिस अब आरोपियों को जेल भेजने और मामले की कानूनी पैरवी को मजबूत करने में जुटी है।

खून से सनी शादी की लाल चुनरी,हरदोई में बड़ा हादसा, सामूहिक विवाह में जा रही दुल्हन की गाड़ी पलटी, 9 घायल

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद के कछौना थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहाँ शादी की शहनाइयां बजने से पहले ही चीख-पुकार मच गई। सण्डीला से सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने जा रही दुल्हन और उसके परिजनों से भरा पिकअप वाहन नेशनल हाईवे पर कटियामऊ के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। इस भीषण हादसे ने शादी की खुशियों को पल भर में मातम और दहशत में बदल दिया ।हादसा उस वक्त हुआ जब सण्डीला निवासी रचना (दुल्हन) का परिवार और रिश्तेदार एक पिकअप डाले में सवार होकर हरदोई जा रहे थे। कटियामऊ के पास एक ढाबे के निकट अचानक तेज रफ्तार वाहन बेकाबू होकर पलट गया। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग कांप उठे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकाला गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई ।इस हादसे में दुल्हन रचना समेत कुल 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस के जरिए सभी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से 5 घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल हायर सेंटर रेफर कर दिया है ।₹शादी की खुशियां पल भर में मलबे में तब्दील हो गईं। जिस घर से मंगल गीत गाते हुए लोग निकले थे, वहां अब अपनों की सलामती के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं ।₹घटना के संबंध में बघौली सीओ प्रवीण यादव ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य किया है और घायलों को उपचार के लिए भेजा गया है।

गोवध एवं पशु क्रूरता के मामले में थाना बभनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में अवैध गोवध एवं पशुओं के प्रति क्रूरता के मामलों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बभनी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गोवध एवं पशु क्रूरता के प्रकरण में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर चार गोवंश एवं एक मोटरसाइकिल बरामद की है, जबकि दो अन्य अभियुक्त मौके से फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में थाना बभनी पुलिस टीम द्वारा निरंतर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में दिनांक 10 फरवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम चकबगदरी सानी तिराहा के पास पहुंची।

गोवंशों को मारते–पीटते ले जाते हुए पकड़े गए आरोपी

पुलिस ने देखा कि जंगल की ओर से एक व्यक्ति पैदल तथा दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से 02 बैल, 01 गाय एवं 01 बछिया को मारते-पीटते एवं दौड़ाते हुए ले जा रहे थे। पुलिस द्वारा रुकने का संकेत देने पर दो व्यक्ति मोटरसाइकिल छोड़कर जंगल की ओर फरार हो गए, जबकि एक व्यक्ति बाबूलाल अगरिया पुत्र केश्वर अगरिया, उम्र लगभग 51 वर्ष, निवासी ग्राम चकबगदरी सानी, थाना बभनी को मौके से समय करीब 15:18 बजे गिरफ्तार कर लिया गया।

मुकदमा दर्ज, विधिक कार्यवाही जारी

गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना बभनी पर मु0अ0सं0-23/2026 के तहत धारा 3/5अ/8 गोवध निवारण अधिनियम एवं धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 47 जोड़ों का विवाह संपन्न, प्रशासनिक अधिकारियों ने दिया आशीर्वाद

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से आज जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग, हरदोई द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए 47 जोड़े एक-दूसरे के साथ दाम्पत्य सूत्र में बंधे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा द्वारा गणेश पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर नवविवाहित जोड़ों को सुखमय और समृद्ध जीवन का आशीर्वाद देते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार की यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने इस पुनीत आयोजन के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन और आयोजकों की सराहना की। समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन और नगर पालिकाध्यक्ष सुखसागर मिश्र ने भी नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं दीं। प्रशासनिक स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह और उप-विभागीय मजिस्ट्रेट पूनम भास्कर ने आयोजन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जोड़ों को शासन की ओर से अनुमन्य लाभ व उपहार प्रदान किए। इस अवसर पर अपर मुख्य अधिकारी प्रदीप कुमार गुप्ता सहित समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी, नवयुगलों के अभिभावक और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने हर्षोल्लास के साथ नवविवाहित जोड़ों के मंगल भविष्य की कामना की।

रामगढ़ बाजार में मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की हत्या का खुलासा, अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद के थाना पन्नूगंज क्षेत्र अंतर्गत रामगढ़ बाजार में मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की निर्मम हत्या के मामले का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए हत्या करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त काँच का टुकड़ा सहित कपड़े व अन्य सामग्री भी बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 27/28 जनवरी 2026 की रात्रि को रामगढ़ बाजार में सड़क किनारे सो रहे मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति मंगरू (उम्र लगभग 35 वर्ष) की अज्ञात हमलावर द्वारा गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मृतक कस्बा रामगढ़ में भीख मांगकर जीवनयापन करता था और अक्सर

सड़क किनारे सो जाता था। घटना के संबंध में ग्राम चौकीदार रामबली द्वारा थाना पन्नूगंज में तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर थाना पन्नूगंज पर मु0अ0सं0झ्र21/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चला अभियान पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के नेतृत्व में थाना पन्नूगंज पुलिस द्वारा लगातार जांच और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही थी। इसी क्रम में दिनांक 10 फरवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर करवनिया नहर मझिगाईं पुलिया के पास से अभियुक्त विकाश कुमार उर्फ विक्की पुत्र सरवन चेरो, निवासी ग्राम केवाल थाना कोन, हाल पता पचोखर थाना पन्नूगंज, उम्र करीब 26 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त काँच का टुकड़ा, जैकेट, पैंट, जूते एवं अन्य सामान एक झोले से बरामद किया गया। पूछताछ में अभियुक्त का कबूलनामा पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह पूर्व में भी 1-2 बार चोरी की घटनाएं कर चुका था और चोरी कर अपने खर्च का प्रबंध करता था। उसने बताया कि 27 जनवरी को दिन में रामगढ़ बाजार में उसने मृतक मंगरू को भीख में मिली रकम गिनते देखा था, जिससे उसके मन में चोरी करने का विचार आया।

समर्पण दिवस के रूप में मना पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि

- –पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आत्मसात करें: डॉक्टर धर्मवीर तिवारी
- –रॉबर्ट्सगंज नगर स्थित स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में हुआ आयोजन।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर तिवारी ने पंडित जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए कहा कि पंडित जी के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। डॉक्टर तिवारी ने कहा कि पंडित

दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि (11 फरवरी) को भारतीय जनता पार्टी और अन्य संगठनों द्वारा समर्पण दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन राष्ट्र सेवा के लिए उनके समर्पण को याद करने और उनके विचारों को आत्मसात करने का अवसर है। आज आत्मनिर्भर भारत अभियान गांवों के गरीबों, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग के भविष्य के निर्माण का माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय अर्थव्यवस्था पर जोर देना दीन दयाल उपाध्याय के दृष्टिकोण की व्यावहारिकता और व्यापकता का प्रमाण है। यहीं वजह है कि प्रधानमंत्री जी ने खुद कहा, वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ देश उनके दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। कोविड-19 महामारी के बीच भारत ने आत्मनिर्भरता का परिचय देते हुए विश्व को टीके मुहैया कराए। आत्मनिर्भरता की शक्ति से देश ने 'समग्र मानवतावाद' के दर्शन को भी सिद्ध किया है। इस मौके पर मौजूद लोगों ने भी पंडित जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सभी लोगों ने पंडित जी के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। सभासद विनोद सोनी, अखिलेश कश्यप, राहुल, सत्यम, संजय, रवि, राजू, रोहित, विशाल आदि मौजूद रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

बदलते मौसम में जब बार-बार हो खांसी-जुकाम

मेरी उम्र 62 वर्ष है। बदलते मौसम में मुझे सर्दी-खांसी और बुखार की समस्या अकसर हो जाती है। कृपया बताएं, ऐसा क्या करूं कि मैं बदलते मौसम में भी स्वस्थ रह सकूं?

-कृपाशंकर, हिसार

बदलते मौसम में, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, उनको सर्दी-जुकाम जल्दी-जल्दी होता है। आपकी उम्र भी अधिक है, इसलिए आपको और बचाव करने की जरूरत है। कोशिश करें कि सुबह शाम जब ठंड हो तब मॉर्निंग वॉक ना करें या घर से बाहर ना निकलें। अगर निकलना जरूरी हो तो पूरी तरह से वूलेन क्लॉथ पहनकर निकलें। साथ ही फ्रिज में रखा हुआ कोई भी कोल्ड डिश या ठंडा पेय बिल्कुल ना पिएं। नियमित रूप में विटामिन सी वाले यानी खट्टे फल जैसे संतरा, आंवला आदि खाएं। इससे आपको काफी राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ दिनों से मेरे पेट में दाईं तरफ मीठा-मीठा दर्द बना रहता है। भूख नहीं लगती है और कभी-कभी बुखार भी आ जाता है। कृपया बताएं कि मुझे ऐसी समस्या क्यों हो रही है?

-सौरभ, बिलासपुर

आपको तुरंत किसी जनरल फिजिशियन से संपर्क करना चाहिए। जैसा आप बता रहे हैं कि दर्द होता है, भूख नहीं लग रही है। साथ में कभी-कभी फीवर भी आता है तो यह संभावना है कि आपको टाइफाइड हो सकता है। लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना मुश्किल है। इसलिए डॉक्टर से संपर्क कर जांच कराएं और फिर रिपोर्ट के आधार पर उसका ट्रीटमेंट होगा।

मेरी उम्र 28 वर्ष है। मुझे कुछ महीनों से हार्ड स्टूल और पाइल्स की समस्या है। कई तरह की दवाइयां और चूर्ण लेने के बाद भी मेरी प्रॉब्लम बनी हुई है। कृपया बताएं कि मुझे क्या करना चाहिए?

-एक पाठक, ईमेल से

पाइल्स की समस्या तब शुरू होती है, जब आपका पेट ठीक नहीं होता है यानी आपको मोशंस क्लियर नहीं होते हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप ऐसा खाना खाएं, जो जल्द डाइजेस्ट हो। साथ में कोशिश करें कि खाने के साथ नियमित रूप में पपीता जरूर लें। खाना आपका सादा होना चाहिए, तला-भुना और ज्यादा मिर्च मसाले वाला ना हो। काली मिर्च और अदरक का भी सेवन कम करें या ना करें। ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो एक बार सर्जन को दिखा सकते हैं। अगर ऑपरेट करने की संभावना होगी तो वह कर सकते हैं।

मेरी उम्र 23 वर्ष है। मुझे बस या ऑटो में जर्नी करते समय चक्कर आने लगता है और वॉमिटिंग भी होती है। प्लीज कुछ ऐसा उपाय बताएं, जिससे मेरी यह हेल्थ प्रॉब्लम ठीक हो जाए।

-विभूति, कांकेर

इस तरह की समस्याएं कई लोगों को होती है। इसका सीधा तरीका है कि आपको सफर से पहले खाना नहीं खाना चाहिए। हल्का या सॉफ्ट डाइट लेना चाहिए और कोशिश करें कि बस और ऑटो जर्नी कम से कम करें। ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो और जर्नी करनी जरूरी हो तो डॉक्टर से सलाह के बाद वॉमिट रोकने वाली दवा भी ले सकते हैं।

मेरी उम्र 56 वर्ष है। मैं अकसर छोटी-छोटी बातों को लेकर चिंतित और तनावग्रस्त हो जाता हूं। इस वजह से मुझे ठीक से नींद नहीं आती और बीपी भी बढ़ जाता है। मैं इस समस्या से कैसे निजात पाऊं, प्लीज बताएं?

-कौशल, रायपुर

यह समस्या आज के दौर में काफी लोगों में देखी जाती है। ज्यादातर लोग किसी न किसी मानसिक समस्या से ग्रसित होते हैं। इसका समाधान आप ही कर सकते है। आप क्या सोचते हैं, उसका क्या समाधान होगा, उसे करें। इसके साथ ही सुबह और शाम नियमित रूप में प्राणायाम करें। अगर ज्यादा समस्या है तो एक बार मनोचिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

फिटनेस सजेशन

दिव्यज्योति 'नंदन'

शरीर को हेल्दी और फिट रखने में योगाभ्यास और जिम में वर्कआउट दोनों का अपना-अपना महत्व है। लेकिन अपने लिए किसी का चुनाव करने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि किस एज के लोगों को क्या करना अधिक फायदेमंद और सुरक्षित रहता है। हम आपको यहां बता रहे हैं अलग-अलग एज ग्रुप के लोगों के लिए योगा और वर्कआउट में से किसका और कितना अभ्यास करना चाहिए?

योगाभ्यास-जिम में वर्कआउट किस एज में क्या होता है बेस्ट

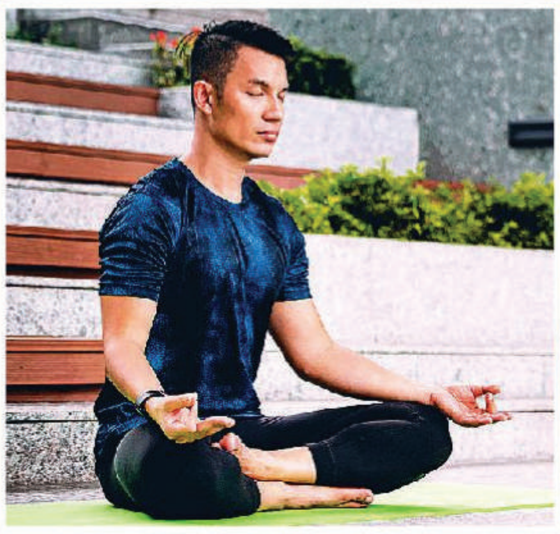

आज फिटनेस को लेकर लोगों में काफी मतभेद होता है। एक वर्ग योग को महत्वपूर्ण मानता है और दूसरा वर्ग जिम में वर्कआउट को कारगर समझता है। कोई कहता है जिम के बिना फिटनेस संभव ही नहीं है, तो दूसरे वर्ग के लोग कहते हैं कि कितना भी जिम में वर्कआउट कर लो, बिना योग के शरीर में लोच, लचक नहीं आती और न ही शरीर तनाव से मुक्त होता है। दोनों अपने-अपने तर्कों पर अडिग रहते हैं और दोनों अपने सिवा दूसरे को खारिज करते हैं। लेकिन आपको किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले दोनों के बारे में खूब अच्छी तरह से समझना होगा।

योगा और जिम वर्कआउट में फर्क

योग शरीर के लचीलेपन को, सांस लेने की प्रक्रिया को, मन की स्थिरता को और हमारे नर्वस सिस्टम को बेहतर बनाने का काम करता है। मतलब यह है कि योग हमारे शरीर को भीतर से तंदुरुस्त करता है। जबकि जिम वेट ट्रेनिंग, शरीर की मसल्स, ताकत, स्टेमिना और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने का जरिया होता है। यह तेजी से शरीर में दिखने वाले बदलाव करता है और हां, अगर बिना इंस्ट्रक्टर के देख-रेख के अगर जिम में वर्कआउट किया जाता है, तो वह चोट लगने और फिटनेस को जोखिम में डालने की आशंका भी पैदा करता है। ऐसे में जरूरी है कि हम यह बात जानें कि योग बनाम जिम नहीं है बल्कि योग एक खास उम्र के लिए ज्यादा बेहतर है और जिम दूसरी उम्र के लोगों के लिए ज्यादा मुफीद होता है।

18-25 की उम्र में जिम वर्कआउट करना है सही

इस उम्र समूह के लोगों के लिए शरीर को फिट रखने का सबसे बेहतर जरिया जिम में वर्कआउट को माना जाता है। क्योंकि इस उम्र में

शरीर में भरपूर ताकत होती है। टेस्टोस्टेरॉन, ग्रोथ हार्मोन और शरीर की रिकवरी कैपेसिटी पीक पर होती है। इसलिए इस उम्र के लिए जिम में वर्कआउट करना बहुत फायदेमंद होता है। इसलिए इस उम्र के लोगों को जिम, वेट ट्रेनिंग और कार्डियो (मुख्य) को वरीयता देनी चाहिए। लेकिन अगर ये लोग सप्ताह में दो या तीन दिन योग को भी अपनी फिटनेस योजना में शामिल करते हैं तो समझिए सोने में सुहागा है, क्योंकि जिम के जरिए मसल्स आसानी से बनती हैं। बॉडी शेप में आती है और भविष्य के लिए हड्डियों की मजबूती बढ़ती है। अगर इसी दौरान योगाभ्यास का भी साथ लिया जाए तो यह सांस लेने की प्रक्रिया को भी बेहतर बनाता है। शरीर के ध्यान को फोकस करता है, चोटों से बचाता है और मसल्स स्ट्रेचिंग में भी कारगर है। लेकिन इस उम्र में जिम वर्कआउट को मुख्य माना जा सकता है।

26-35 साल के लिए योगाभ्यास

26 से 35 साल की उम्र ऐसी होती है, जब शादी, परिवार, तनाव आदि के कारण नींद कम आती है। शरीर चूंकि मजबूत होता है, इसलिए ज्यादा फर्क नहीं दिखता है लेकिन तनाव धीरे-धीरे शरीर को कमजोर और मन को अशांत करने लगता है। आमतौर पर देखा जाता है कि इस वजह से पीठ का दर्द, पेट, वजन, शुगर और बीपी की शुरुआत इसी उम्र में होती है। ऐसे में जरूरी है-

- हफ्ते में कम से कम तीन से चार दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें।
- बाकी बचे तीन दिन हर हाल में योग और प्राणायाम करें।
- इस सबके साथ पैदल चलना और हल्का कार्डियो हर दिन जरूरी है। क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, योग से तनाव काबू में रहता है, नींद बेहतर होती है और दोनों साथ हों तो वजन नियंत्रित रहता है और बॉडी फिट रहती है। लब्बोलुआब यह कि इस उम्र में दोनों पर ध्यान देना चाहिए।

36-45 साल की एज में शुरू करें स्मार्ट जिम ट्रेनिंग

यह उम्र का वह पड़ाव होता है, जब मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और पेट बढ़ने लगता है। शरीर में हार्मोनल बदलाव और मसल्स घटने लगते हैं। जोड़ों की जकड़न, पीठ और कंधे का दर्द बढ़ने लगता है। ऐसे में कुछ बातों पर अमल जरूरी है।

- मॉडरेट वेट ट्रेनिंग करें। यह आपकी जिम एक्टिविटी में मुख्य होनी चाहिए।
- इसी उम्र के दौरान योग और मोबिलिटी ट्रेनिंग शुरू करना भी जरूरी है।
- ध्यान और प्राणायाम इस उम्र के तनाव को कम करते हैं।
- वेट ट्रेनिंग करना भी फायदेमंद है क्योंकि इससे मसल्स मजबूत बनती हैं।
- योगाभ्यास, जोड़ों और रीढ़ को सुरक्षित रखता है, दोनों मिलकर शरीर को एजिंग के खिलाफ मजबूती देते हैं। ऐसे में इस उम्र में वर्कआउट और योगाभ्यास दोनों करना जरूरी है।

46-60 की उम्र में योग को दें प्राथमिकता

उम्र का यह वह पड़ाव होता है, जब व्यक्ति अकसर बीपी, शुगर, हार्ट रिस्क, घुटनों के दर्द और कमर की समस्याओं से जूझ रहा होता है। बहुत लोग सोचते हैं कि अब जिम नहीं करना चाहिए पर विशेषज्ञ कहते हैं, इस उम्र में भी हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग बेहद जरूरी है। पर हां, योग सबसे ज्यादा जरूरी है। ऐसे में इस उम्र का बेहतरीन फार्मूला कुछ इस तरह का बनता है-

- योगाभ्यास को मुख्य रूप से रोजाना करें। विशेषकर जोड़ों, फेफड़ों की बेहतरी के लिए ये बहुत कारगर रहता है।
- हल्की वेट ट्रेनिंग भी जरूरी है। इस उम्र में चूंकि हड्डियों और मसल्स की समस्याएं सिर उठाने लगती हैं, इसलिए हल्की वेट ट्रेनिंग लगातार करते रहना चाहिए।
- सबसे ज्यादा जरूरी है कि इस उम्र में लंबी वॉक करें, क्योंकि हार्ट हेल्थ के लिए यह बहुत फायदेमंद होता है।
- इस उम्र में योगाभ्यास करने से शरीर में लचीलापन बना रहता है और मसल्स-जोड़ों में दर्द कंट्रोल में रहता है।
- स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से गिरने का खतरा कम होता है।
- हड्डियां मजबूत होती हैं, मसल्स लॉस कम होता है। लब्बोलुआब यह है कि इस उम्र में योग को प्राथमिकता दें, लेकिन हल्के जिम की रेग्युलर एक्सरसाइज न छोड़ें। *

मेरे लिए हेल्दी-फिट फील करना सबसे ज्यादा जरूरी है

फिटनेस फंडा

पारस अरोड़ा

इन दिनों एंड टीवी पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'घरवाली पेड़वाली' में जीतू का किरदार निभा रहे पारस अरोड़ा काफी फिट नजर आते हैं। इसके लिए वे क्या एफर्ट करते हैं, बता रहे हैं अपनी जुबानी।

हेल्थ-फिटनेस की इंपॉर्टेंसः मेरे हिसाब से हेल्दी और फिट रहना अच्छी लाइफ की सबसे मजबूत नींव है। अगर आप शारीरिक तौर पर फिट नहीं हो तो चाहे कितनी भी सफलता मिल जाए, आप उसे पूरी तरह एंज्वॉय नहीं कर पाते। एक एक्टर होने के नाते हमारे काम में लंबे शूटिंग ऑवर्स, ट्रैवल और अनप्रेडिक्टेबल रूटीन होता है। ऐसे में फिटनेस ही है, जो मुझे हर दिन फ्रेश और फोकस्ड रखती है। फिट बॉडी के साथ-साथ पॉजिटिव माइंडसेट भी बहुत जरूरी है।

हेल्दी-फिट फील करना इंपॉर्टेंटः मेरे लिए हेल्दी, फिट और एनर्जेटिक फील करना, सबसे ज्यादा जरूरी है। अगर आपके पास एनर्जी नहीं है, तो आप अपने काम में 100% नहीं दे सकते।

डाइट प्लानः मैं बहुत ज्यादा स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो नहीं करता, लेकिन बैलेंस्ड खाने में

विश्वास रखता हूं। सुबह की शुरुआत गुनगुने पानी या नीबू पानी से करता हूं। ब्रेकफास्ट में ओट्स, अंडे या कभी-कभी घर का बना परांठा खाता हूं। लंच में दाल, सब्जी, रोटी और सलाद लेना पसंद करता हूं। शाम को फल, नट्स या नारियल पानी ले लेता हूं। और डिनर में हल्का खाना जैसे सूप या सब्जी ले लेता हूं। मैं जंक फूड और ज्यादा मीठा खाने से बचता हूं।

वर्कआउट शेड्यूलः मैं हफ्ते में 4 से 5 दिन वर्कआउट करने की कोशिश करता हूं। मेरा रूटीन मिक्स रहता है कभी जिम, कभी कार्डियो, कभी योग। शूटिंग की वजह से अगर जिम नहीं जा पाता, तो कम से कम वॉक, स्ट्रेचिंग या बॉडीवेट एक्सरसाइज जरूर करता हूं। मेरा मानना है कि रोज थोड़ा मूवमेंट बहुत जरूरी है।

मेंटल फिटनेसः मेंटल फिटनेस के लिए मैं रोज मेडिटेशन करता हूं और खुद के लिए थोड़ा मी टाइम निकालता हूं। म्यूजिक सुनना, फैमिली, दोस्तों से बात करना मुझे स्ट्रेस-फ्री रखता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

मेंटल हेल्थ

रेखा देशराज

नेचर के करीब कुछ समय बिताने से न केवल सुकून मिलता है, हम मेंटली हेल्दी भी रहते हैं। इस बात की पुष्टि कुछ समय पहले किए गए एक स्टडी में हुई है। इस स्टडी के बारे में डिटेल में जानिए।

नेचर के करीब रहने से आप रहेंगे मेंटली हेल्दी

हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह पाया गया कि प्रकृति से जुड़ी गतिविधियां हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं। जो लोग मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, उनको भी प्रकृति के साथ जुड़ने से लाभ होते हैं। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ योर्क द्वारा किया गया, जिसमें बताया गया है कि घर से बाहर प्रकृति से जुड़ी गतिविधियां हमारे भीतर के तनाव को कम करती हैं, मूड अच्छा करती हैं और हममें सकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा देती हैं। इसमें यह भी पाया गया है कि 20 से 90 मिनट की गतिविधियां, जिन्हें हम 8 से 12 सप्ताह तक करते हैं, इनके बहुत ही बेहतर नतीजे सामने आते हैं।

क्या कहती है स्टडीजः इस अध्ययन में अध्ययनकर्ताओं द्वारा 14,321 नेचर बेस्ड इंटरवेंशंस यानी जो लोग प्रकृति से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर रहे थे, उनके रिकॉर्ड के 50 अध्ययनों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। इस अध्ययन के मुख्य लेखक डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ साइंसेज के डॉ. पीटर कन्वेंटरी का कहना है कि हम पहले से ही इस तथ्य से परिचित हैं कि प्रकृति से जुड़ना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन हमारे इस अध्ययन ने इस बात को और भी

पुख्ता कर दिया है कि प्रकृति से जुड़ी गतिविधियों में संलग्न होने से हमारा मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। प्रकृति से जुड़ी इन गतिविधियों को स्वयं किया जाए या दूसरों के साथ मिलकर किया जाए, सभी का फायदा होता है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि आउटडोर गतिविधियां शारीरिक स्वास्थ्य को कम, मानसिक स्वास्थ्य को ज्यादा सुधारती हैं। इस अध्ययन ने लोगों को इस बात के लिए भी उत्साहित किया है कि प्रकृति से जुड़ी गतिविधियों को करने से हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर होता है। इसलिए इस अध्ययन ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़कर खुद को प्रकृति से जुड़ने की ओर उत्साहित किया है।

तन-मन को मिले फायदाः आज की मॉडर्न जीवनशैली में लोग अपना अधिकांश समय घर या दफ्तर के भीतर फोन, टेलीविजन या कंप्यूटर की स्क्रीन पर ही बिताते हैं। दिनभर ऑफिस में रहने के दौरान मानसिक रूप से थके होने के कारण हम तनाव का शिकार होते हैं और ऐसे में प्राकृतिक वातावरण में अगर हमारा तन और मन विश्राम पाते हैं तो हमारी एकाग्रता बढ़ती है और हमें खुशी की अनुभूति होती है। दिल को सुकून मिलता है। प्रकृति के बीच अपना समय बिताने के लिए वॉक करना, साइकिलिंग या लंबी दूरी तक पैदल चलना अच्छा लगता है। इससे हम वजन तो नियंत्रित रख ही सकते हैं। मासंपेशियों में तनाव कम होता है। हृदय प्रणाली पर दबाव कम होने से हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर भी कम हो जाता है। जो लोग प्रकृति के ज्यादा करीब रहते हैं, उनमें हृदय रोग की दर भी कम होती है। खुले वातावरण में रहने से विटामिन डी का शरीर में स्तर बढ़ता है, जो हड्डियों, रक्त कोशिकाओं और प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण है।

चिंता-अवसाद होते हैं कमः रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिदंगी से कुछ देर प्रकृति के सान्निध्य में हमें मानसिक शांति मिलती है और हमारी रचनात्मक क्षमता भी बढ़ती है। कभी-कभी जब हम मानसिक रूप से थक जाते हैं और ताजी हवा के लिए घर से बाहर प्रकृति के नजदीक रहते हैं तो हम अपने को बेहतर पाते हैं। प्रकृति हमारी चिंता को कम करती है। तनाव व क्रोध घटाती है। हरियाली वाले स्थान में रहने से हमें अवसाद कम होता है। प्राकृतिक रोशनी में रहने से रात में नींद भी अच्छी आती है। *

सहमे माहौल के आर्थिक सौदे

आर्थिक संकट के दबावों के बाहर जो तस्वीर बन रही है, वहां न रेवड़ियां मीठी रहेंगी और न ही बांटने की तासीर बचेगी, फिर भी कुछ सियासी सौदे हैं जो महंगे आश्वासन देते रहेंगे। सहमे से माहौल में हिमाचल का अर्थतंत्र भले ही कयामत का उद्घोष करे, मगर तबाही में भी कर्मचारी इंसाफ की दुहाई मिलेगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अपने साथ भले ही घाटे के बही खाते उठाए दिल्ली जाते हैं, मगर कर्मचारी वर्ग को न्याय की परिपाटी से अलग नहीं करते। आश्वासन यह कि भले ही यूपीएस के फामूर्ले में वित्तीय व्यवस्था सुधर जाए, लेकिन कांग्रेस सरकार की वचनबद्धता ओपीएस पर कुर्बान रहेगी। सैलरी और पेंशन के दबाव सरकार झेल लेगी। इस समय हिमाचल अपने आंकड़ों की दुरुस्ती में कांग्रेस सरकार को यह अवसर दे रहा है कि खर्च की बुनियाद पर विपक्ष को सुरक्षित मुद्रा में खड़ा कर दे या तुलनात्मक अध्ययन यह हो जाए कि किसके पांव और किसके साये लंबे होते रहे हैं। जाहिर है फिजूलखर्ची के कई जहाज हिमाचल में उड़ते रहे और उड़ रहे हैं। एक तुलना आरडीजी के माध्यम से भी हो रही है जहां पिछली भाजपा सरकार को पांच साल की अवधि में कुल 54296 करोड़ की सहायता मिली जो वर्तमान में सिमट कर 17563 करोड़ ही रह जाएगी। यह एक बड़ा आर्थिक आघात और नाइंसाफी का सबब है। बावजूद इसके सुक्खू सरकार ने आर्थिक विकल्पों की साधना में पिछले तीन सालों में 26683 करोड़ अतिरिक्त बटोरे, तो यह राह आसान तो नहीं थी। यह दीगर है कि विपक्ष, सत्ता की फिजूलखर्चियों में कई सियासी हस्तियों को मिले उपहार के पद और उनके दायित्व कार्यान्वयन में लाखों की सैलरी व भत्तों का विवरण दे रहा है। यह फैसला चाबुक और चुंबक के बीच है जहां आर्थिक संकट के पांव की बेड़ियां चाबुक को लाठी बना कर चलना चाहती हैं, लेकिन सत्ता का नशा अपने चुंबक की फांस में दायरा बढ़ाना चाहता है। जाहिर है कुछ अध्याय समेटने होंगे और कुछ विषय अपने अधिकारों से हासिल करने होंगे। केंद्र अगर हिमाचल को विशेष रियायत या राज्य को विशेष दर्जा नहीं दे सकता, तो उसके हिस्से के लंबित पैमाने भरने होंगे। बेशक राज्य सरकार फोरेस्ट कवर को तीस प्रतिशत बढ़ा कर फायदे की आक्सीजन बटोरना चाहती है, लेकिन यहां वन संरक्षण अधिनियम की क्षतिपूर्ति का भी सवाल है। शीत मरुस्थल लाहौल-स्पीति की बर्फीली जमीन को वन संपत्ति मानने से हमारा आर्थिक नुकसान समझना होगा। इस मिट्टी को बर्फ संरक्षण का पहाड़ बनाकर योजनाएं मिलें, तो यह राज्य बर्फ के पार्क बनाकर देश को पानी, पर्यावरण व जलवायु संतुलन का आधार सौंप सकता है। दूसरी ओर तीस प्रतिशत वन कवर के बाहर रखकर हमें वन और गैर वन भूमि को एक समान 50 : 50 फीसदी की दर पर रखना होगा। यानी मौजूदा 68 प्रतिशत वन भूमि से अगर तीस प्रतिशत वापस आ जाती है, तो हिमाचल का कारवां अपनी आर्थिक बढ़ोतरी कर सकता है। इसी तरह पानी को केंद्र उत्पाद मान ले, तो हमारी आत्मनिर्भरता का घड़ा भर सकता है। तीसरे, अगर पंजाब पुनर्गठन के 7.19 प्रतिशत अधिकार मिल जाएं, तो न केवल बीबीएमबी के साढ़े पांच हजार करोड़, शानन विद्युत परियोजना, बल्कि सार्वजनिक उपक्रमों में न्यायोचित भागीदारी से हमारा खजाना लबालब हो सकता है। हम देश के राज्यों में उधार की व्यवस्था चलाने में अगर पांचवें स्थान पर हैं, तो संभल कर चलने का मतलब यह है कि घाटे के निगम-बोर्डों को अलविदा कहा जाए। अभी यह घाटा करीब छह हजार करोड़ का है, इसलिए वक्त आ गया है कि हम कुछ सार्वजनिक उपक्रमों को अलविदा कहें, अलाभकारी या अनावश्यक सरकारी होटलों, बस डिपो या व्यापारिक संस्थानों को निजी क्षेत्र को सौंप दें। नवाचार तो यह भी कहता है कि कुछ बड़े अस्पतालों के कम से कम एक खंड को निजी अस्पतालों की शृंखला के हवाले कर दें। कामयाब शिक्षण संस्थानों के जरिए नाकामयाब इमारतों में निजी क्षेत्र से भागीदारी तय कर लें। अगर हमें वेतन भुगतान पर 13837 करोड़ का लोन या पेंशन अदा करने के लिए 10850 करोड़ का ऋण लेना पड़ेगा, तो हमारी कोशिशों के पंख गिरवी रहेंगे। ऐसे में हिमाचल को कड़े आर्थिक सुधारों की दिशा में आम सहमति बनानी होगी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि विपक्ष इस स्थिति में भी राजनीतिक बढ़त का बयान बन जाए।